वर्ष : 17 ❖ अंक : 38 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 08 सितम्बर 2022

नीतीश ने किया जनता से विश्वासघात : गिरिराज सिंह 3

संस्थाओं पर हमला कर रही है बीजेपी और आरएसएस : राहुल 8

किसानों के हित के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 सितम्बर । सिक्किम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री लोक नाथ शर्मा ने आज तुमिन लिंगी समष्टि में नवनिर्मित तीन ढांचागत सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें कम्बल में सामदोंग वेटरीनरी अस्पताल, डिक्चू जांग में वेटरीनरी डिस्पेंशरी और पेप्लाखा में वेटरीनरी उप-केंद्र शामिल रहे। इस अवसर पर उन्होंने इन तीनों सुविधाओं को स्थानीय लोगों को समर्पित करते हुए उनसे इन्हें अपना समझते हुए इस सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि 5000 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाला एक मंजिला पांच कमरों वाले साम्दोंग वेटरीनरी अस्पताल के निर्माण में 26,25,370 रुपए की लागत आयी है। इसके लिए इलाके के टेक नाथ शर्मा ने अपनी जमीन दी है। इसी तरह जांग डिक्चू वेटरीनरी डिस्पेंसरी के निर्माण में 24,88,280 रुपए की लागत आयी है।

इस दौरान कम्बल में मंत्री शर्मा ने कहा कि समष्टि में नवनिर्मित ये तीन सुविधाएं काफी महत्वपूर्ण हैं, जो मवेशी पालकों एवं किसानों को पूरी तन्मयता के साथ सुविधाएं प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले)की पहल पर विभिन्न क्षेत्रों में आमलोगों की बेहतरी हेतु कार्य किये जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने सवेरे विभिन्न एमपीसीएस के दौरे का जिक्र करते हुए डेयरी किसानों की प्रगति हेतु उठाये जा रहे कदमों पर संतुष्टि जतायी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल विद्युत परियोजनाओं के बांध के पानी में केज संस्कृति शुरू करने की योजना बना रही है।

इसके साथ ही मंत्री ने क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को पंजीकृत किये जाने और संबंधित एजेंसियों द्वारा सुविधाएं प्रदान किये जाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस सेक्टर में काम करने वाले कामगारों का एक महीने के भीतर रजिस्ट्रेशन कराया जाए। साथ ही उन्होंने जल्द ही क्षेत्र में आवासीय विद्यालय स्थापित कर स्थानीय लोगों को सौंप दिये जाने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, बागवानी आदि क्षेत्रों में किये जा रहे विकास कार्यों का भी जिक्र किया।

वहीं पशुपालन सचिव पी सेंथिल कुमार ने आज के दिन को डेयरी किसानों के लिए ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि स्थानीय मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटियां सभी उपकरणों एवं सुविधाओं से युक्त हैं और अच्छा कार्य कर रही हैं। साथ ही उन्होंने राज्य के डेयरी किसानों को देश भर में सर्वाधिक प्रोत्साहन राशि दिये जाने का भी जिक्र किया। इसके अलावा क्षेत्रीय प्रभारी सम्दुप टी. भूटिया ने भी अपने वक्तव्य में पशुपालन क्षेत्र में किये जा रहे ढांचागत विकास हेतु राज्य सरकार एवं सम्बंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के किसानों को विभिन्न खेती उपकरण, बीज एवं अन्य सरंजाम भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर भूमि उपयोग एवं पर्यावरण चेयरमैन छिरिंग लेप्चा, पंचायत, एसओएफडीए सीईओ डॉ एस अनबालागन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुख निदेशक बीएम छेत्री, डॉ त्रिलोचन बाजगईं, विशेष श्रम आयुक्त डीएस कुंवर एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

इसी बीच मंत्री शर्मा ने साम्दोंग में बागवानी फार्म का भी निरीक्षण किया। वहां उन्होंने आमलोगों एवं श्रमिकों से बातचीत भी की।

केंद्रीय आदिवसी मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा नई दिल्ली में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय गेजिंग के प्रधानाचार्य सिद्धार्थ योंजन से मुलाकात करते हुए। सिद्धार्थ योंजन को शिक्षक दिवस पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मुझे हराने के पीछे तीन केंद्रीय मंत्री व कई मुख्यमंत्रियों का हाथ : भाइचुंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 सितम्बर । भाइचुंग भूटिया ने अपने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष चुनाव हारने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों और कई मुख्यमंत्रियों पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्होंने भारत के शीर्ष फुटबॉल निकाय के चुनाव का राजनीतिकरण किया।

हालांकि पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान भाइचुंग ने मंत्रियों का नाम लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं अब इस चुनाव से आगे बढ़ना चाहता हूं और सिक्किम के लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। आज बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाइचुंग ने नई दिल्ली में एआईएफएफ चुनाव से एक रात पहले की घटनाओं के अपने संस्करण को साझा किया।

भाइचुंग ने कहा कि चुनाव से एक रात पहले लगभग 18-19 राज्य फुटबॉल संघ के प्रतिनिधि मुझे अध्यक्ष के रूप में वोट देने के बारे में आश्वस्त थे। लेकिन रात करीब आठ बजे राज्य निकाय के 33 प्रतिनिधियों को एक केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक के लिए एक कमरे में ले जाया गया। मुझे राजस्थान फ़ुटबॉल निकाय से अपने नामांकन समर्थक के साथ कमरे में प्रवेश करने से रोक दिया गया। हम उन लोगों को कमरे के अंदर नहीं बुला सके। उन्होंने जाहिर तौर पर नेटवर्क जाम कर दिया था। केंद्रीय मंत्री दोपहर 2 बजे तक वहां रहे।

साथ ही भाइचुंग ने कहा कि एक आदमी चुनाव हार जाय यह सुनिश्चित करने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों और लगभग आठ से दस सीएम लगे। उनके हस्तक्षेप से पहले मुझे 18-19 वोट हासिल करने का भरोसा था। यह वास्तव में मुझे आश्चर्य हुआ कि एक फुटबॉल निकाय के चुनाव में इतना राजनीतिक हस्तक्षेप था। मैं अब कह सकता हूं कि मैंने सत्ता में सरकार को हिला दिया है, नहीं तो ऐसा राजनीतिकरण नहीं होता। अगर वे इसका राजनीतिकरण करना चाहते हैं, तो उन्हें इसके बारे में खुलकर बात करनी चाहिए। हम राजनीतिक चिह्न के तहत चुनाव लड़ते। अब यह कहना कि एआईएफएफ चुनाव राजनीतिक नहीं था, थोड़ा अस्वीकार्य और दुर्भाग्यपूर्ण है।

मीडिया रिपोर्टों और राजस्थान फुटबॉल निकाय के प्रतिनिधियों में से एक के खुले तौर पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के चुनावों में शामिल होने का उल्लेख करने पर भाइचुंग ने कहा कि मैं नाम नहीं लेना चाहता। व्यक्तिगत कुछ भी नहीं है, यह उनका एक पेशेवर निर्णय है। वे मेरे करीबी दोस्त हैं और वह एक राजनीतिक दल के नेता भी हैं। हम व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों को मिलाने की कोशिश नहीं करेंगे। व्यक्तिगत रूप से हमें कोई समस्या नहीं होगी।

भाइचुंग ने पत्रकारों के समूह को यह भी सूचित किया कि वह अपने कार्यकारी पद से इस्तीफा दे देंगे और सदस्य के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे। वे सिक्किम फुटबॉल एसोसिएशन के तकनीकी सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। भाइचुंग ने मेनला इथेन्पा पर चर्चा करने से इंकार कर दिया, लेकिन उन्हें एआईएफएफ के कार्यकारी सदस्य के रूप में नामित किए जाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

भाइचुंग भूटिया ने कहा कि दो-तीन एआईएफएफ चुनावों के बाद से वह जीतने वाले घोड़े के पक्ष में मतदान कर रहे हैं। एआईएफएफ के कोषाध्यक्ष बनने की उनकी कोशिश काम नहीं आई। अब हम देखेंगे कि वह हमारे खिलाड़ियों के लिए एक मंच कैसे सुनिश्चित करेंगे और खिलाड़ियों के लाभ के लिए 50 लाख रुपये का उपयोग कैसे किया जाएगा। मैं महासचिव को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने के लिए भी लिखूंगा कि सिक्किम फुटबॉल एसोसिएशन के खिलाफ फंड की हेराफेरी की जांच हो।

ज्ञात हो कि कल उन्होंने पूर्वोत्तर के नेताओं से बेहतर प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया था। यह पूछे जाने पर कि क्या केंद्र में वर्तमान प्रतिनिधित्व (शेष पृष्ठ ०३ पर)

टीकाकरण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 07 सितम्बर । टीकाकरण को लेकर जिला टास्क फोर्स की पहली बैठक आज यहां डीएसी सभागार में सोरेंग जिला कलेक्टर भीम ठटाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें एडीसी (विकास) गायस पेगा, सीईओ सागर मोक्तान, डीआरसीएचओ डॉ. पत्रिका राई, सीडीपीओ श्रीमती गौरी तामंग के साथ सामाजिक कल्याण विभाग के प्रतिनिधिगण एवं आईसीडीएस सुपरवाइजर शामिल हुए।

बैठक में रिसोर्स पर्सन के रूप में भी उपस्थित डॉ. पत्रिका राई ने बैठक के एजेंडा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महामारी की मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए हर वर्ष दो बार इस बैठक का आयोजन किया जायेगा। वहीं बैठक में चार मुख्य एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें बच्चों एवं किशोरों के लिए नेशनल डी-वार्मिंग डे का आयोजन, किशोरों को कोविड टीकाकरण, स्कूलों में पोषण अभियान एवं माह के अलावा स्वास्थ्य व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शामिल रहे।

डॉ. राई ने बताया कि 8 सितम्बर से 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों के लिए डी-वार्मिंग कार्यक्रम चलाया जायेगा। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य व जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में शिक्षकों एवं आशा व आंगनबाड़ी कर्मियों की सक्रिय संलिप्तता की बात कही।

इस अवसर पर डीसी भीम ठटाल ने सम्बंधित अधिकारियों को महत्वपूर्ण जानकारियां एवं सुझाव दिये। उन्होंने अधिकारियों को हरेक क्षेत्र में बच्चों एवं किशोरों का डाटा तैयार करने हेतु एक मैकेनिज्म तैयार करने को कहा। वहीं उन्होंने दूर-दराज के स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने हेतु आशा कर्मियों के लिए क्षेत्रों के पुन:सीमांकन का भी निर्देश दिया।

वहीं इस दौरान डीसी ने जिले में टीकाकरण एवं कोविड वैक्सीनेशन की मौजूदा परिस्थिति की भी समीक्षा की और पोषण अभियान के बारे में जानकारी हासिल की।

डेयरी क्षेत्र में सरकारी प्रोत्साहन से उत्पादक प्रसन्न : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

साम्दोंग, 07 सितम्बर । सिक्किम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री लोक नाथ शर्मा ने आज सवेरे विभागीय सचिव पी सेंथिल कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सामदोंग स्थित मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटीज (एमपीसीएस) का दौरा किया। इस दौरान तुमिन लिंग समष्टि प्रभारी सामदुप भूटिया एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

पूरे दिन चलने वाला यह दौरा खेसे एमपीसीएस से शुरू हुआ जहां मंत्री ने ऑटोमेटिक मिल्क टेस्टिंग मशीन द्वारा वसा माप एवं उसके कार्य के साथ ही अन्य उपकरणों का मुआयना किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने बताया कि स्थानीय दूध उत्पादक सहकारिताओं की कार्यप्रणाली जांचने हेतु ही यह दौरा आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया में चलाये जा रहे दुष्प्रचार गलत हैं और डेयरी क्षेत्र में राज्य सरकार की वित्तीय सहायता एवं अन्य योजनाओं से स्थानीय डेयरी किसान काफी खुश हैं। उनके अनुसार हाल के वर्षों में दूध उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गयी है। किसानों को 8 रुपये की सरकारी प्रोत्साहन राशि के साथ प्रति लीटर 78 रुपये का भुगतान किया जाता है।

कहा- सोशल मीडिया पर किया जा रहा दुष्प्रचार गलत

इस अवसर पर मंत्री ने राज्य के डेयरी क्षेत्र की बेहतरी हेतु मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की पहल पर प्रकाश डाला और उन्हें अपना उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया। इस दौरान मंत्री शर्मा ने खेसे मिल्क कोऑपरेटिव सोसाइटी के सचिव मनदीप नेपाल तथा मिल्क टेस्टर वैद्यनाथ निरौला से बातचीत की, जिन्होंने उनके समक्ष वहां लगे उपकरणों के बारे में बताया। इसके बाद मंत्री शर्मा ने अपर सामदोंग के कानाका एमपीसीएस तथा तिनतक चुबा एमपीसीएस का भी दौरा किया और डेयरी किसानों से बातचीत की।

साथ ही उन्होंने सेंटर का मुआयना भी किया और वहां की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने डेयरी किसानों को अपना हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

राज्य हथकरघा मेला शुरु

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 सितम्बर । गंगटोक के जीरो प्वॉयंट स्थित हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय परिसर में आज राज्य हथकरघा मेला 2021-22 का शुभारम्भ हुआ। राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग सलाहकार कादो छिरिंग भूटिया ने मंत्रालय की उपनिदेशक छोडेन गेनसापा और विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया। राज्य के हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय द्वारा आयोजित यह मेला 19 सितम्बर तक चलेगा।

इस दौरान मुख्य अतिथि कादो छिरिंग भूटिया ने मेले में लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए प्रदर्शकों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा यह पहला मेगा हैंडलूम एक्स्पो आयोजित किया गया है जो स्थानीय बुनकरों, विक्रेताओं तथा खरीददारों को सीधा प्लेटफार्म मुहैया करायेगा। साथ ही इससे स्थानीय लोगों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने (शेष पृष्ठ ०३ पर)

अंगदान नया जीवन देने का महान अवसर : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 सितम्बर । सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा आज स्थानीय पांच माइल स्थित संस्थान के भवन में अंग दान पर 'विस्टा ऑफ ऑर्गन डोनेशन इन इंडिया एंड एवेन्यूज फॉर सिक्किम' विषयक एक सेमिनार एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल एवं सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर गंगा प्रसाद मुख्य अतिथि तथा मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग एंड ट्रांसप्लांट के प्रमुख डॉ अविनाश सेठ सम्मानीय अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। वहीं इस आयोजन में राज्य के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री मणि कुमार शर्मा, कैबिनेट सचिव जीपी उपाध्याय, तादोंग के विधायक जीटी ढुंगेल, एसएमयू के वाइस चांसलर डॉ. रंजन ग्रेवाल के अलावा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि अंगदान जरूरतमंदों को एक नया जीवन देने का एक महान अवसर है। साथ ही अंगदान की पुरजोर वकालत करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं अंगदान करने का संकल्प लिया है। उन्होंने राज्य और देशवासियों के बीच अंग दान और प्रत्यारोपण के बारे में जागरुकता पैदा करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं इस अवसर पर राज्यपाल ने जन जागरुकता बढ़ाने और लोगों को अंगदान के निर्णय को पंजीकृत करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए अंग दाता पंजीकरण बढ़ाने में शैक्षिक हस्तक्षेप के साथ ही मीडिया की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक मृत अंग दाता आठ लोगों की जान बचा सकता है और उन लोगों को जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान कर सकता है।

इसके अलावा नेत्र बैंकिंग सेवाओं के महत्व को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल ने राज्य में एक नेत्र बैंक सुविधा स्थापित करने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिक्किम में अस्पतालों के भविष्य के प्रयासों के लिए सक्रिय सहायता प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में अपने मुख्य भाषण में मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग एंड ट्रांसप्लांट के प्रमुख डॉ. अवनीश सेठ ने कहा कि ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के अनुसार भारत अंग प्रत्यारोपण में केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर है। हालांकि, प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों की संख्या और मृत्यु के बाद अपना अंग दान करने के इच्छुक लोगों की संख्या के बीच संतुलन बनाने के लिए अभी भी बहुत काम करना बाकी है।

इस दौरान एक पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ. अविनाश सेठ, डॉ. कर्मा लोदे भूटिया, डॉ. आदित्य बजाज, डॉ. अराधना नजरेठ और डॉ. सुकृति चौहान शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत में अंग दान पर एक शैक्षणिक वीडियो भी दिखाया गया।

पाइप को नुकसान पहुंचाने से रेन्बो ट्राउट मछलियां मरी

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 07 सितम्बर । उत्तरे के लिंगे कुनाबार निवासी कमल राई द्वारा पाली गई 200 किलो से भी अधिक रेन्बो ट्राउट माछलियों के मर जाने से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित राई कुनाबार वार्ड के अध्यक्ष हैं और मछली पालन का व्यवसाय करते हैं।

उन्होंने बताया कि उनकी 110 मछलियां मर गई जिनकी उम्र 16 माह थी। उन्होंने बताया कि बीती रात को कुछ अज्ञात लोगों ने टंकी की पाइप को क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे उनकी मछलियां मर गईं। सुबह जब उन्होंने देखा कि टंकी की पानी सूख गई तो उन्होंने निरीक्षण में पाया कि टंकी की पाइप को तोड़ दिया गया है।

उन्होंने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि किसी के आजीविका के स्रोत पर हमला करने की मानसिकता खतरनाक है। इससे समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आज पीड़ित राई ने संबंधित विभाग और स्थानीय वार्ड पंचायतों को लेकर जांच की तो पाया कि टंकी को जोड़ने वाली मूल पाइप को ही नुकसान पहुंचा दिया गया है।

केशव को अखिलेश का ऑफर- 100 विधायक तोड़कर आओ, सीएम बन जाओ

लखनऊ, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। योगी सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हमेशा निशाने पर लेने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अब मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया है। अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बीजेपी के 100 विधायक तोड़कर लाने पर मुख्यमंत्री बनाने का लालच दिया है।

अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि अगर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बिहार में हाल में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से सबक लेते हुए अपने साथ 100 विधायक लेकर सपा में शामिल हो जाएं तो उन्हें मुख्यमंत्री बना देंगे। अखिलेश के ऑफर पर भाजपा की तरफ से पलटवार भी शुरू हो गया है। सबसे पहले केशव प्रसाद मौर्य ने ही हमला किया है। केशव ने कहा कि अखिलेश यादव मुझसे घृणा करते हैं। विधानसभा में अखिलेश का ख़यार मेरे प्रति सबने देखा है। अखिलेश यादव खुद डूबने वाले हैं वो मुझे क्या मुख्यमंत्री बनाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी अखिलेश पर पलटवार किया और कहा कि मौर्य किसी स्वार्थ में पड़ने वाले नेता नहीं हैं। अखिलेश यादव अपने गठबंधन और परिवार की चिंता करें, क्योंकि सपा गठबंधन के विधायक भाजपा के संपर्क में हैं।

भारत आर्कटिक मामलों में रूस के साथ भागीदारी को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत आर्कटिक मामलों में रूस के साथ भागीदारी को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। रूस के व्लादिवोस्तोक में आयोजित पूर्वी आर्थिक मंच के पूर्ण सत्र को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाने की जरूरत पर जोर देता रहा है और वह संघर्ष को खत्म करने के सभी शांतिपूर्ण प्रयासों का समर्थन करता है।

बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2019 में मंच के शिखर सम्मेलन में अपनी मौजूदगी को याद करते हुए कहा कि भारत ने उस समय अपनी 'एक्ट फॉर-ईस्ट' नीति की घोषणा की थी और इसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में रूस के सुदूर-पूर्व क्षेत्र के साथ भारत का सहयोग बढ़ा है। उन्होंने कहा, यह नीति अब भारत और रूस के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' का एक प्रमुख हिस्सा बन गई है।

मोदी ने कहा, इसी महीने व्लादिवोस्तोक में भारत के वाणिज्य दूतावास की स्थापना के 30 साल पूरे हो रहे हैं। भारत इस शहर में वाणिज्य दूतावास खोलने वाला पहला देश था। तब से यह शहर हमारे संबंधों में कई प्रमुख उपलब्धियों का गवाह रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं इस मंच की स्थापना के लिये पुतिन को उनकी सोच के लिये बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का क्षेत्र के साथ संबंधों में संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा, ऊर्जा के साथ-साथ भारत ने रूस के सुदूर पूर्व में औषधि और हीरे के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की वैश्वीकृत दुनिया में एक हिस्से में होने वाली घटनाएं पूरी मानवता पर प्रभाव डालती हैं। उन्होंने कहा, यूक्रेन संघर्ष और कोविड महामारी का वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था पर व्यापक स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। खाद्यान्न, उर्वरक और ईंधन की कमी विकासशील देशों के लिये चिंता का प्रमुख विषय है।

पवार से मुलाकात के बाद बोले नीतीश, पहले साथ आना जरूरी, बाद में करेंगे नेता पर फैसला

राजेश अलख

नई दिल्ली, 07 सितम्बर । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पिछले 3 दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगे हैं। अब इसी कड़ी में नीतीश कुमार ने आज एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की है।

नीतीश कुमार से शरद पवार की मुलाकात पवार के दिल्ली में 6, जनपथ स्थित आवास पर हुई। शरद पवार से मिलने के बाद नीतीश कुमार ने कहा हमारी मुलाकात अच्छे वातावरण में हुई है।

भाजपा कोई काम नहीं कर रही है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा विपक्ष का एकजुट होना जरूरी है। अगर सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होती हैं, तो ये देश के भले के लिए होगा।

नीतीश कुमार इसके पहले राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और सीताराम येचुरी से भी मुलाकात कर चुके हैं। हालांकि नीतीश कुमार का कहना है कि उनके लिए प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनना महत्वपूर्ण नहीं है। विपक्ष के सभी दल एकजुट हो जाएं, ये प्रयास है।

गौरतलब है कि शरद पवार भी इसके पहले विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने की कोशिश कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि भाजपा सहयोगी पार्टियों को धीरे धीरे खत्म कर रही है।

महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ भी यही किया गया है। यही वजह है कि शरद पवार ने भी सभी पार्टियों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है।

वहीं नीतीश कुमार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से भी मुलाकात कर सकते हैं। अगर उनके दिल्ली दौरे को देखा जाए तो साल 2024 के चुनाव के लिए सभी दल एकजुट होते दिख तो रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी और ममता बनर्जी सरीखे दावेदारों के बीच नीतीश की अगुवाई में विपक्षी दल एकजुट हो पाएंगे, ये देखने वाली बात होगी।

सूखे की मार झेल रहे किसानों को बड़ी राहत, दलहन-तिलहन और सब्जी के बीज मुफ्त देगी योगी सरकार

लखनऊ, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। सूखे की मार झेल रहे किसानों के लिए राहत की खबर है। सरकार ने फैसला किया है कि जिन इलाकों में बारिश कम हुई है वहां दलहन-तिलहन के बीज के मिनी किट किसानों को मुफ्त दिए जाएंगे।

इसके अलावा सिचाई विभाग को आदेश दिया गया है कि वो नहरों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति को भी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं जिससे किसानों को सिचांई आदि में दिक्कत ना हो। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मंगलवार को जून जुलाई में हुई खरीफ गोष्ठियों की समीक्षा की गयी। इस बैठक में किसानों से जुड़ी 125 समस्याओं पर चर्चा हुई और किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने इस दौरान बताया कि जल्द ही आंवला को कृषि उपज से वन उपज की सूची में डाला जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 12वीं किश्त इसी महीने जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि भूलेख अनिवार्य किये जाने से 21 लाख किसान अपात्र पाये गये। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 1 करोड़ 62 लाख किसानों का डाटा किसान पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। केंद्र सरकार के निर्देश के मुताबिक जिन किसानों का भूलेख किसान पोर्टल पर अपलोड होगा उन्हें ही पीएम किसान सम्मान निधि योजना का पैसा मिलेगा। सरकार ने सत्यापन के लिए 9 सितंबर तक का समय दिया है। जानकारी के मुताबिक अबतक 11 लाख किसानों का डेटा अपलोड होना बाकी है।

किसानों को पोर्टल पर अपना और अपने पिता के नाम के साथ गाटा संख्या और रकबा की जानकारी देनी होगी। तहसील के रिकार्ड के अनुसार ही किसान के भू अभिलेख का विवरण होगा। सभी दस्तावेजों का लेखपाल सत्यापन करेंगे।

दिल्ली का राजपथ अब होगा 'कर्तव्यपथ', एनडीएमसी की बैठक में प्रस्ताव पास, आज पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ'' करने का प्रस्ताव बुधवार को पारित किया। केंद्रीय विदेश तथा संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की अध्यक्षता में एनडीएमसी की एक विशेष बैठक यहां आयोजित की गई। लेखी एनडीएमसी की सदस्य भी हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। लेखी ने कहा, हमने परिषद की विशेष बैठक में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है।'' एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय से इस संबंध में प्रस्ताव मिला था। उन्होंने कहा कि अब इंडिया गेट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक पूरे इलाके को कर्तव्य पथ'' कहा जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरिवंद केजरिवाल भी एनडीएमसी के सदस्य हैं, लेकिन वह बैठक में शामिल नहीं हुए। नगर निकाय ने बाद में राजपथ का नाम बदलने के लिए बैठक में पारित प्रस्ताव को जारी किया। प्रस्ताव में कहा गया, नई दिल्ली में आज (बुधवार) परिषद कक्ष पालिका केंद्र में आयोजित एक विशेष बैठक में एनडीएमसी परिषद ने राजपथ व सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने का संकल्प लिया।'' प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि संबंधित विभाग, परिषद द्वारा किए गए निर्णय पर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर सकते हैं, जैसे बोर्ड' और साइनेज' पर नाम बदलना। राजपथ को ब्रिटेश शासन के दौरान किंग्सवे' कहा जाता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में औपनिवेशिक मानसिकता से जुड़े प्रतीकों को खत्म करने पर जोर दिया था। अधिकारियों ने कहा कि इसका कर्तव्य पथ' नाम रखना सत्तारूढ़ वर्ग को इस बात का संदेश है कि शासकों का युग अब समाप्त हो चुका है।'' गौरतलब है कि 2015 में रेस कोर्स रोड' का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया था, यहां प्रधानमंत्री आवास स्थित है। उसी वर्ष औरंगजेब रोड का नाम बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड कर दिया गया। 2017 में डलहौजी रोड का नाम बदलकर दारा शिकोह रोड कर दिया गया। 2018 में तीन मूर्ति चौक का नाम बदलकर तीन मूर्ति हाइफा चौक कर दिया गया। अकबर रोड का नाम बदलने के लिए कई प्रस्ताव आए हैं, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई निर्णय नहीं किया गया है। सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन आठ सितंबर को प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। 20 माह से बंद इस इलाके को नौ सितंबर से लोगों के लिए खोला जाएगा।

बीजेपी की रथ यात्रा सत्ता के लिए थी लेकिन कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' सत्य के लिए है : कन्हैया कुमार

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पार्टी की 'भारत जोड़ो' यात्रा को लेकर बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा 1990 में की गई रथ यात्रा सत्ता के लिए थी, लेकिन उनकी पार्टी की यह (भारत जोड़ो) यात्रा सत्य के लिए है। भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी के साथ जो 118 'भारत यात्री' कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा करेंगे उनमें कन्हैया कुमार भी शामिल हैं।

उन्होंने दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'किसी भी भारतीय के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वह इस यात्रा का हिस्सा बने। यह सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि इसके सांस्कृतिक, सामाजिक पहलू भी है, लोगों के साथ मेलजोल है।'' यह पूछने जाने पर यह यात्रा आडवाणी और कुछ अन्य नेताओं द्वारा अतीत में निकाली गई यात्राओं से किस तरह अलग है, कन्हैया ने कहा, 'इस यात्रा के तीन बिन्दू हैं, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक। वो (आडवाणी की यात्रा) राजनीतिक यात्रा थी और सत्ता के लिए थी, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा सत्य के लिए है।'

आडवाणी की यात्रा और कांग्रेस की पहल के बीच अंतर पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं उस (आडवाणी की) यात्रा के नकारात्मक प्रभावों में नहीं जाना चाहता, देश उसके नकारात्मक प्रभावों को देख रहा है।' उन्होंने यह भी कहा, 'उस यात्रा से भाजपा को सत्ता मिली थी, लेकिन कांग्रेस की यात्रा सत्य को पुर्नस्थापित करने के लिए है।'' उल्लेखनीय है कि आडवाणी ने 1990 में राम मंदिर आंदोलन के समय रथयात्रा निकाली थी जिसका भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक फायदा मिला था।

कन्हैया ने यह भी दावा भी कहा कि केंद्र सरकार अमीर और गरीब के बीच खाई पैदा कर रही है जिस कारण इस यात्रा का महत्व है। उनका कहना था, ''बार-बार-बार यह कह कर आलोचना की जा रही है कि भारत कहां टूटा है कि यह यात्रा निकाली जा रही है। भारत भौगोलिक और ऐतिहासिक रूप से नहीं टूटा है, लेकिन सरकार की नीति के कारण अमीर और गरीब के बीच भयंकर खाई दिखेगी। यह जो खाई बढ़ रही है, यह यात्रा उसको लेकर है।''

योगी सरकार का दावा यूपी बेरोजगारी से लड़ने में अव्वल, केंद्रीय योजनाओं से भी ज्यादा को जोड़ा

लखनऊ, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। लखनऊ। देश में बेरोजगारी से लड़ने में यूपी का प्रदर्शन अव्वल है। उत्तर प्रदेश में पूरे देश के मुकाबले न केवल रोजगार बढ़ाने पर ज्यादा काम हुआ बल्कि केंद्र की योजनाओं से लोगों को जोड़ने में भी बेहतर रहा। यही वजह है कि संगठित और असंगठित दोनों मोर्चों पर बेरोजगारी घटाने का बड़ा फायदा मिल रहा है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के आंकड़ों के मुताबिक देशभर में अगस्त में 8.3 फीसदी बेरोजगारी रही है। 8.3 फीसदी बेरोजगारी का मतलब होता है जितने भी लोग रोजगार ढूढ़ रहे थे उनमें से 8.3 फीसदी को रोजगार नहीं मिला। वहीं उत्तर प्रदेश में ये आंकड़ा 3.9 फीसदी पर रहा। यूपी के मुकाबले बिहार 12.8, दिल्ली 8.2, हरियाणा 37.3 प्रतिशत बेरोजगारी के साथ कमजोर स्थिति में रहा। इसके विपरीत मध्य प्रदेश 2.6, महाराष्ट्र 2.2, गुजरात 2.6 प्रतिशत के साथ यूपी से बेहतर रहा।

नियोक्ताओं को यूपी पसंद नियोक्ताओं को भी यूपी भा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 तक पोर्टल पर देश भर में कुल 1,89,018 नियोक्ता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 13,219 यूपी में 2,403 बिहार में 11,145 हरियाणा में झारखंड में 2,892, मध्य प्रदेश में 5,382, राजस्थान में 8,874 नियोक्ताओं ने राज्यों में रजिस्ट्रेशन करा रखा है। श्रम मंत्रालय की तरफ से रोजगार बढ़ाने के मकसद से करियर सेंटर संचालित है। अन्य राज्यों की तुलना में यूपी में सर्वाधिक 111 सेंटर है। इतना ही नही देश भर में कुल 3,924 लोगों ने स्किल देने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। यूपी में इनकी तादाद 431 है। बिहार में 270, मध्य प्रदेश में 207, राजस्थान में 227 है। इससे लोगों को रोजगार मिलने में आसानी हो जाती है।

साथ में चुनौतियां भी सीएमआईई के प्रबंध निदेशक महेश व्यास के मुताबिक यूपी में श्रमिक भागीदारी कम है। देश भर में औसतन 40 फीसदी लोग नौकरी ढूढ़ने निकलते हैं लेकिन यूपी में कृषि राज्य होने से ये औसत 33 फीसदी है। राज्य में महिला श्रमिक भागीदारी भी कम है जो चुनौती है। साथ ही राज्य में संगठित रोजगार बढ़ाना, कम मजदूरी की वजह से कामगारों का दूसरे राज्यों में पलायन की आशंका , काम मानसून से उत्पादन में कमी का रोजगार पर प्रभाव भी बड़ी चुनौती है।

वित्तवर्ष 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक 5 सितंबर तक मनरेगा में देश भर में औसतन प्रति परिवार 32.29 दिन का रोजगार और औसतन 213.64 रुपए प्रति व्यक्ति मजदूरी दी गई है। यूपी में राष्ट्रीय औसत से कुछ ज्यादा यानि औसतन 32.93 दिन प्रति परिवार काम दिया जा रहा है। हालांकि प्रति व्यक्ति मजदूरी 212.86 रुपए है जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है।

एमएसएमई मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट 2021-22 के मुताबिक देश में करीब 6.3 करोड़ एमएसएमई कंपनिया हैं जिसमें अकेले यूपी में लगभग 90 लाख छोटे और मझोले उद्योग चल रहे हैं। बिहार में 34.46 लाख, राजस्थान में 26.87 लाख, हरियाणा में 9.70, मध्य प्रदेश 26.74 लाख यूनिटें ही हैं। एक जिला एक उत्पाद योजना की वजह से भी रोजगार को बड़ा सहारा मिल रहा है।

यूपी सीएम, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की पारदर्शी नीतियों और बेहतर कानून व्यवस्था के कारण माहौल बदला है। बड़ी संख्या में औद्योगिक निवेश धरातल पर उतरे और लोग स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित हुए। इसके कारण रोजगार सृजन के अवसरों में भी वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के कामगारों का सबसे बड़ा नेटवर्क मौजूद है। केंद्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल के मुताबिक 8.2 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं बिहार में 2.8 करोड़, 1.6 करोड़, 1.26 करोड़, झारखंड में 90 लाख, हरियाणा में 52 लाख कामगारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

रेवड़ी की तरह रेलवे की जमीन क्यों बांट रही सरकार? : अखिलेश यादव

लखनऊ, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट के जरिए एक बार फिर बीजेपी पर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा- कैबिनेट ने रेलवे की भूमि नीति में संशोधन को मंजूरी देते हुए रेलवे की भूमि को लीज पर देने की अवधि 5 साल से बढ़ाकर 35 साल कर दी है। जिसका सीधा लाभ केवल बड़े उद्योगपतियों को ही मिलेगा। इसमें कौन-सा जनहित है। सरकार रेलवे की जमीन को रेवड़ी की तरह क्यों बाँट रही है ?

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने रेलवे की जमीन को लीज पर देने का समय पांच साल से बढ़ाकर 35 साल कर दिया है। यही नहीं, रेलवे लैंड लीज की फीस में कटौती का फी फैसला किया गया है। पहले लैंड लाइसेंस फीस 6 फीसदी चुकानी पड़ती थी जिसे घटाकर 1.5 फीसदी कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बाजार कीमत के अनुसार अब लैंड लीज फीस 1.5 फीस ली जाएगी और इसमें 1 रुपये प्रति वर्ग फीट के हिसाब से फीस देनी होगी।

बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग में रेल लैंड लीज में बदलाव को मंजूरी दी गई। बाद में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रज्ञान और अनुराग ठाकुर ने मीडिया के जरिए जनता को ये जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि रेलवे लीज में बदलाव का फैसला पीएम गति शक्ति फ्रेमवर्क को लागू करने की दिशा में लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए 5 साल में 300 से ज्यादा पीएम गति शक्ति टर्मिनल बनाए जाएंगे जिससे 1.25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

संजय सिंह को दिल्ली एलजी का भेजा नोटिस फाड़ लगाए गंभीर आरोप, कहा- एलजी एक नंबर का महाभ्रष्टी

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और एलजी वीके सक्सेना के बीच लगातार घमासान चला रहा है। वीके सक्सेना द्वारा भेजे गए नोटिस को आप नेताओं ने फाड़ते हुए राजयस्भा सांसद संजय सिहं ने एक बार फिर एलजी पर करोड़ो की ठगी के आरोप लगाए है।

संजय सिंह ने कहा खादी ग्रामोद्य का प्रमुख रहते हुए मजूदरों को उनके हक भी नहीं दिए और कुछ दस्तावेजों के साथ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना एक नंबर के बेईमान है। ऐसा भ्रष्टाचारी व्यक्ति जो केवीआईसी का अध्यक्ष रहते हुए 2.5 लाख कर्मचारियों का पैसा खा जाता है। ऐसा भ्रष्ट व्यक्ति जो खादी जैसी पवित्र संस्था को अपने लूट का अड्डा बना देता है। ऐसे भ्रष्टाचारी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जी बताइए आपने दिल्ली का एलजी क्यों बनाया ?''

संजय सिंह ने एलजी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि इसकी सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी बोला एलजी को तत्काल हटाकर गिरफ्तार किया जाए। संजय सिंह ने नोटिस को फाड़ते हुए कहा कि वह उच्च सदन (राज्यसभा) के सदस्य हैं और उन्हें सच बोलने का हक है।

संजय सिंह ने कहा, ''वीके सक्सेना को मैं कहना चाहता हूं कि भारत का संविधान मुझे सच बोलने का अधिकार देता है।

देश के सर्वोच्च सदन का सदस्य होने के नाते मुझे सच बोलने का अधिकार है। किसी चोर, भ्रष्ट व्यक्ति के नोटिस भेजने से मैं रुकने और डरने वाला नहीं हूं। ऐसे नोटिस को मैं 10 बार फाड़कर फेकता हूं। तुम यदि सोचते हो कि तुम भ्रष्टाचार करोगे, लूट करोगे और भ्रष्टाचार को नोटिस के नीचे दबा लोगे तो यह संभव नहीं है।''

नफरत की राजनीति में पिता को खोया, लेकिन देश को नहीं खोने दूंगा : राहुल

श्रीपेरंबदूर, 07 सिम्बर (एजेंसी)। भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने से पहले बुधवार को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में अपने पिता के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने नफरत की राजनीति के कारण अपने पिता को खो दिया, लेकिन देश को नहीं खोने देंगे।

उन्होंने ट्वीट किया, 'मैंने अपने पिता को नफरत और बंटवारे की राजनीति में खो दिया। मैं अपना ख़्यारा देश भी इसमें नहीं खोऊंगा। ख़्यार नफरत पर जीत हासिल करेगा। उम्मीद डर को हरा देगी। हम सब मिलकर जीतेंगे।'

राहुल गांधी ने अपने पिता, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी 21 मई, 1991 को श्रीपेरंबदूर में हत्या कर दी गई थी। बाद में राहुल गांधी अपनी यात्रा शुरू करने के लिए कन्याकुमारी पहुंचेंगे।

महात्मा गांधी मंडपम में प्रार्थना सभा और गांधी मंडपम में राष्ट्रीय ध्वज वितरण समारोह होगा, जिसके बाद राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रियों के साथ मार्च करेंगे।

पार्टी प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा, 'महत्व यह है कि गांधी, विवेकानंद और थिरुवल्लुर सहिष्णुता के लिए खड़े थे और यह स्थान देश का सबसे दक्षिणी छोर है।'

उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वे इस यात्रा को लेकर चिंतित हैं क्योंकि उन्होंने वोल्वो बसों में यात्रा की है, लेकिन यह यात्रा लोगों को जोड़ेगी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों को महंगाई और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के बारे में बताया जाएगा।

एक वीडियो संदेश में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोगों से जहां भी संभव हो, यात्रा से जुड़ने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए जरूरी है क्योंकि देश में नकारात्मक राजनीति की जा रही है और जनता से जुड़े असली मुद्दों पर चर्चा नहीं की जा रही है।

कन्याकुमारी से श्रीनगर की 3,570 किलोमीटर लंबी यात्रा की औपचारिक शुरुआत रैली में होगी, लेकिन वास्तव में गांधी और कई अन्य कांग्रेस नेता आठ सितंबर को सुबह सात बजे पदयात्रा की शुरुआत करेंगे। कांग्रेस ने राहुल गांधी साथ 118 ऐसे नेताओं का चयन किया है जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक पूरी यात्रा में उनके साथ चलेंगे। इन लोगों को भारत यात्री नाम दिया गया है।

देश भर में 14,597 स्कूलों को किया जाएगा अपग्रेड, मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 07 सितम्बर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना को मंजूरी प्रदान कर दी जिसके तहत देश भर में 14,597 स्कूलों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित व उन्नत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं अनुराग ठाकुर ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने बताया कि पीएम-श्री स्कूल योजना को 2022-2027 तक पांच वर्षों की अवधि में लागू किया जायेगा। इस पर 27,360 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे जिसमें केंद्र की हिस्सेदारी 18,128 करोड़ रुपये होगी। इससे 18 लाख छात्रों को फायदा होगा।

खास बात यह है कि ये सभी स्कूल सरकारी होंगे, जिनका चयन राज्यों के साथ मिलकर किया जाएगा। इस योजना के तहत सरकार प्रत्येक प्रखंड स्तर पर कम से कम एक आदर्श विद्यालय विकसित करना चाहती है। इसकी निगरानी के लिये पायलट परियोजना के आधार पर पीएम-श्री स्कूलों में विद्या समीक्षा केंद्र की शुरुआत की जायेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर पांच सितंबर को इसकी जानकारी देते हुए कहा था, शिक्षक दिवस पर मैं एक नयी पहल की घोषणा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) के तहत देश भर में 14,500 स्कूलों को विकसित व उन्नत किया जाएगा। ये सभी मॉडल स्कूल बनेंगे और इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि पीएम-श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने में एक आधुनिक, परिवर्तन लाने वाला और समग्र तरीका होगा तथा इनमें खोज उन्मुख और सीखने को केंद्र में रखकर शिक्षा प्रदान करने के तरीके पर जोर रहेगा।

उन्होंने कहा था, इसमें नवीनतम तकनीक, स्मार्ट कक्षा, खेल और आधुनिक अवसंरचना पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीएम-श्री स्कूल देश भर के लाखों छात्रों को फायदा पहुंचाएंगे।

आदर्श विद्यालय में सभी छात्रों के लिए एक सुरक्षित, प्रोत्साहित करने वाले शैक्षिक वातावरण में सीखने एवं विविध अनुभव प्रदान करने वाली अच्छी ढांचागत व्यवस्था एवं समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही गई है। इसमें स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाना तथा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जायेगा तथा शिक्षा तक पहुंच सुगम बनाकर स्कूल बीच में छोड़ने को हतोत्साहित किया जायेगा।

ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन में मदद करेंगे और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता के अनुकरणीय विद्यालयों के रूप में उभरेंगे।

इन स्कूलों में अपनायी जाने वाली शिक्षा व्यवस्था अधिक प्रायोगिक, समग्र, एकीकृत, वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित, जिज्ञासा एवं शिक्षार्थी केंद्रित होगी। इनमें स्मार्ट कक्षा, पुस्तकालय, कौशल प्रयोगशाला, खेल का मैदान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला आदि सभी सुविधाएं होंगी।

नीतीश ने किया जनता से विश्वासघात : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर नीतीश कुमार पर हमला बोला है और बिहार की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के मिशन में जुटे नीतीश कुमार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि ऐसे नेता अन्य नेताओं को साथ देने का भरोसा कैसे दे सकते हैं जो पहले से ही अपने आपको प्रधानमंत्री का उम्मीदवार मान कर चल रहे हों।

केंद्रीय मंत्री एवं बिहार के बेगुसराय से लोक सभा सांसद गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ नीतीश कुमार की मुलाकात की तस्वीरों को ट्वीट करते हुए कहा, मोदी जी और बिहार की जनता ने नीतीश जी को मुख्यमंत्री बनाया और उन्होंने मोदी जी और जनता को ही धोखा दे दिया, ऐसे विश्वासघाती महत्वाकांक्षी लोग उन अवसरवादियों को कैसे भरोसा देंगे जो पहले से ही पीएम बनने की महत्वाकांक्षाओं को पाल रहे हैं?

दरअसल, बिहार में भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी, कांग्रेस और अन्य दलों के साथ महागठबंधन की सरकार बनाने के बाद से ही नीतीश कुमार ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 2024 के लोक सभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से भाजपा को बाहर करने के लिए नीतीश कुमार तमाम विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। भाजपा नीतीश कुमार के इस अभियान की लगातार आलोचना करते हुए विरोधी खेमे में प्रधानमंत्री पद के लिए पहले से ही कई दावेदार होने की बात कह रहे हैं।

शराब ने भर दिया दिल्ली सरकार का खजाना, एक हफ्ते में कमाए 269 करोड़, रोज बिकीं 8 लाख बोतलें

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सितंबर के पहले सप्ताह में शराब के खुदरा कारोबार से 269 करोड़ रुपये से अधिक का आबकारी राजस्व कमाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में चार उपक्रमों से यह राजस्व अर्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि चार उपक्रम वर्तमान में वाइन और बीयर की 380 दुकान चला रहे हैं। शराब की दुकानों पर सितंबर के पहले हफ्ते में हर दिन करीब 8 लाख बोतलें बिकी हैं। आने वाले दिनों में इसके बढ़ने की उम्मीद भी है।

राजस्व में और वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि और अधिक ठेके खुलेंगे और आने वाले दिनों में शराब के लगभग 1,000 ब्रांड उपलब्ध कराए जाएंगे। दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम, दिल्ली राज्य औद्योगिक और अवसंरचना विकास निगम, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम और दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक स्टोर द्वारा खोली गई 350 से अधिक शराब की दुकानों के साथ दिल्ली सरकार ने एक सितंबर से अपनी पुरानी आबकारी नीति लागू कर दी है।

आबकारी विभाग के एक बयान के अनुसार, मौजूदा व्यवस्था में पांच सितंबर तक लाइसेंस शुल्क और उत्पाद शुल्क समेत 269.08 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व एकत्र किया गया है। इसके अलावा, शराब की बिक्री पर वैट के रूप में आनुपातिक मूल्य का राजस्व भी प्राप्त होगा।'' अधिकारियों ने बताया कि सितंबर के पहले सप्ताह में शराब की दुकानों में रोजाना लगभग आठ लाख बोतलों की औसत बिक्री की सूचना दी है। इस संख्या के आने वाले दिनों में बढ़ने की संभावना है। वहीं, 28 फरवरी, 2023 तक के लिए लगभग 926 होटलों, क्लबों और रेस्तरांओं के शराब लाइसेंसों का नए सिरे से नवीनीकरण किया जा चुका है।

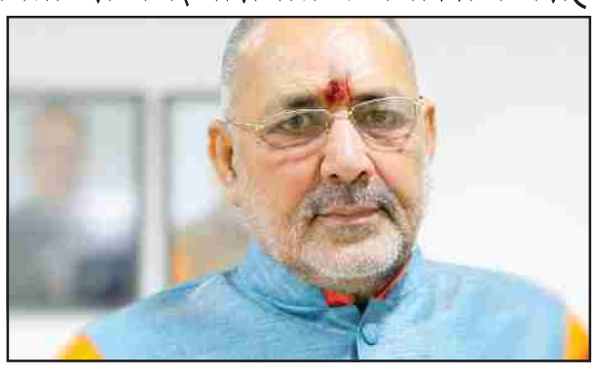

अधिकारियों ने बताया कि ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 387 ठेके चल रहे थे। सरकार ने अपने चार उपक्रमों को सितंबर में 500 ठेके खोलने का निर्देश दिया है। साल के अंत तक यह संख्या बढ़ाकर 700 कर दी जाएगी।

आबकारी नीति 2021-22 के तहत शराब के निजी विक्रेताओं ने रोजाना करीब 13 से 14 लाख शराब की बोतलों की बिक्री की थी। हालांकि, इस नीति को लागू करने में कथित अनियमितताओं को लेकर उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश करने के बाद जुलाई में सरकार ने इसे वापस ले लिया था।

1 अक्टूबर से दिल्ली में बंद होगी बीएस-4 बसों की एंट्री

जींद, 07 सितम्बर (एजेंसी)। दिल्ली में एक अक्टूबर से बीएस-4 मॉडल इंजन बसों की एंट्री बंद करने का फैसला दिल्ली सरकार ने लिया है। इस फैसले से जनता को भी परेशानी उठाना पड़ सकता है। जींद डीपो में 160 बसे है,लेकिन इनमें से कोई भी बस बीएस-6 मॉडल नहीं है ऐसे में एक अक्टूबर से बाद जींद की जनता को कोई भी बस दिल्ली नहीं ले जा पाएगी। इससे लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

बता दें कि डिपो को जुलाई और अगस्त में 400 बसें बीएस-6 मॉडल की मिलनी थी। लेकिन अभी तक एक भी बसे मिल नहीं पाई। जींद से दिल्ली और गुरुग्राम के लिए रोजाना करीब 6 से 8 बसें जाती है। इसके अलावा आगरा,मथुरा जाने वाली बसों को भी दिल्ली होकर जाना पड़ता है। दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बीएस-4 मॉडल इंजन की बसों को एक अक्टूबर के बाद दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बीएस-6 मॉडल की अपेक्षा बीएस-4 मॉडल की बसें प्रदूषण ज्यादा फैलाती हैं। इसलिए आदेशों का पालन करने के निर्देश जारी किया गया हैं। अगर सरकार ने जारी आदेश का पालन किया तो जिले की जनता को दिल्ली की बस सेवा का लाभ नहीं मिल पाएगा।

बड़ी नदियों के बाद अब छोटी नदियां भी लाल निशान पार

मधुबनी, 07 सितम्बर (नि.सं.)। बिहार में बाढ़ की स्थिति बदतर बनी हुई है। बड़ी नदियों के बाद अब छोटी नदियों का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। राज्य के कई हिस्सों में रिहायशी इलाकों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। कोसी नदी के रौद्र रूप से मधेपुर प्रखंड की बकुआ पंचायत के लोग सहमे हुए हैं। कई घरों और जमीन के साथ स्कूल भी कटाव के जद में आने लगे हैं। मंगलवार को मधेपुर की बकुआ पंचायत में प्राथमिक विद्यालय राधिकापुर का एक कमरा कोसी में समा गया। राधिकापुर के वार्ड छह व सात में कई घर भी कटाव की जद में हैं। कोसी के कटाव के कारण लोग दहशत में हैं। कई लोगों ने सुरक्षित जगहों पर शरण ली है।

लोगों ने बताया कि मंगलवार सुबह गांव के दो कमरा वाले स्कूल का एक कमरा पूरी तरह कोसी में बह गया है। जिस तेजी से कटाव हो रहा है, उससे लगता है कि पूरा स्कूल जल्द कोसी में समा सकता है। बकुआ पंचायत में नदी बासडीह और उपजाऊ भूमि का भी तेजी से कटाव कर रही है। तेजी से हो रहे कटाव को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने विद्यालय भवन के नदी में पूरी तरह धराशायी हो जाने की आशंका जतायी है।

प्राथमिक विद्यालय राधिकापुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक बैद्यनाथ यादव ने बताया कि विद्यालय के दो कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फिलहाल दूसरे तरफ का भवन सुरक्षित है। तत्काल पठन-पाठन उस भवन में किया जा रहा है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय में वर्ग एक से पांच तक 225 छात्र नामांकित हैं। विद्यालय में चार शिक्षक पदस्थापित हैं। हेडमास्टर ने बताया कि कोसी नदी की धारा से विद्यालय का एक कमरा कट जाने व कटाव जारी रहने की सूचना बीईओ सहित अन्य अधिकारियों को दी गई है। मधेपुर की ब्लॉक एजुकेशन अफसर ने दूसरे भवन में फिलहाल पठन-पाठन चलाने का निर्देश प्रधानाध्यापक को दिया है।

भारतीय डाक विभाग / Department of Posts, India
पोस्टमास्टर जनरल का कार्यालय / Office of the Postmaster General
सिक्किम राज्य, गंगटोक- 737103 / Sikkim State, Gangtok- 737103
फोन नं. : +91 3592 202611/ 202192
ई-मेल : dpsskm@gmail.com & dpsskm@indiapost.gov.in

भारतीय डाक
Indian Post

No.SKM/DEV/RPLI/PT IV **Dated at Gangtok, the 06.09.2022**

ENGAGEMENT OF DIRECT AGENTS

Applications are being called from Indian citizens within the age group of 18-50 years for engagement of Direct Agents for procurement of Postal Life Insurance/ Rural Postal Life Insurance under Sikkim Division.

Eligibility: Any Indian citizen in the age group 18-50 years.

Educational Qualification: The applicant must have passed 10th standard or equivalent examination conducted by a Board recognized by Central/State Government.

Categories of Applicants: Unemployed/ self employed youth, Ex-life insurance advisors/Ex-agents of any insurance company, Ex servicemen, Anganwadi workers, Mahila Mandal workers, Retired school teachers, SHGs, Gram Pradhan, Members of Gram Panchayat and any other Indian citizen.

The willing candidates will have to appear in a Walk in Interview test and should have knowledge of different schemes of Postal Life Insurance/ Rural Postal Life Insurance. The interested candidates will have to submit their bio data within 30 days of publishment of this advertisement.

For further details please contact: Office of the Postmaster General, Sikkim State, Gangtok- 737103, Email: dpsskm@gmail.com/ dpsskm@indiapost.gov.in

Mr. Karma Topden Bhutia, Development Officer (PLI), Sikkim State, Gangtok- 737103, Email: kbhutia181@gmail.com Mobile No- +91 9593201450.

Sd/-
Dy.Supdt. of Post Offices
O/o the Postmaster General
Sikkim State, Gangtok – 737103

राज्य हथकरघा ....

कहा कि स्थानीय बुनकरों को विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों से अवगत कराना तथा खरीददारों की स्थानीय बुनकरों के हस्तनिर्मित वस्तुओं तक पहुंच बनाना ही इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में सतत बुनकर उद्योग तैयार करने की सरकार की पहल के अंतर्गत ही यह आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि उक्त मेगा एक्स्पो में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर एवं स्थानीय स्वयंसेवी समूहों के कुल 60 स्टॉल लगाये गये हैं। स्थानीय स्वयंसेवी समूहों में एकता सेल्फ हेल्प ग्रुप, चांदमारी, मल्टी उद्योग सेल्फ हेल्प ग्रुप, गंगटोक, सैनी वीवर्स, सेल्फ हेल्प ग्रुप, ही बर्मियोक, एएमयू साकचुम किताम सुनताले क्लस्टर, सेल्फ हेल्प ग्रुप एवं कई अन्य ने अपने स्टॉल लगाये हैं। प्रदर्शनी में स्थानीय बुनकरों एवं कलाकारों द्वारा निर्मित कारपेट, साड़ी, बेडशीट एवं अन्य सामग्रियों को शामिल किया गया है।

मुझे हराने के पीछे .....

कम है, भाइचुंग ने कहा कि मैं किसी एक नेता की बात नहीं कर रहा, लेकिन पूर्वोत्तर के बहुत सारे राजनेता और व्यवसायी हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व करने का दिखावा करते हैं लेकिन वास्तव में वे ऐसा नहीं कर रहे हैं।

भाइचुंग ने कहा कि पूरे पूर्वोत्तर के लोग फुटबॉल के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। वे जागरूक हैं और सोशल मीडिया की मानें तो वे परिणाम से खुश नहीं हैं। वे इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि पूर्वोत्तर भारतीय फुटबॉल पर कितना दबदबा रखता है। कोई व्यक्ति जो वास्तव में भारतीय फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए था उसे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण वह अवसर नहीं दिया गया था। मुझे लगता है कि लोग निर्णय लेने के लिए काफी बुद्धिमान हैं।

भविष्य में एसोसिएशन और एआईएफएफ का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों पर भाइचुंग ने कहा कि हम खिलाड़ियों के वोटिंग अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट ने शुरू में दिया था। नया संविधान बनाया जा रहा है और हम दबाव डाल रहे हैं कि संघ में खिलाड़ी प्रतिनिधित्व पर फैसला बरकरार रहे। एक बार संविधान बन जाने के बाद हम अगले कदम पर फैसला करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी हार से सिक्किम के लोगों को जरूर लाभ होगा क्योंकि वे अब उनके लिए अधिक समय देकर काम कर सकेंगे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:93 DrawDate on:07/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 62A 82091
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 82091 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
21182 34705 37895 42359 48100 78961 80943 81064 83162 93032
3rd Prize ₹450/-
0734 1088 1526 3509 3629 4629 5150 7362 8359 9039
4th Prize ₹250/-
0536 3368 4054 4976 6387 9165 9367 9452 9865 9970
5th Prize ₹120/-
0103 0176 0197 0199 0243 0403 0604 0697 0762 0823
0852 0961 0963 0969 1059 1497 1606 1625 1836 1923
1939 2007 2073 2082 2128 2171 2234 2411 2770 2911
2953 3222 3333 3403 3455 3545 3780 3877 3945 4120
4237 4345 4477 4567 4571 4756 4892 4927 4950 4967
5009 5147 5232 5361 5409 5701 5709 5732 5759 5828
5858 5940 5952 6004 6101 6104 6180 6884 6894 6986
7112 7167 7410 7530 7581 7669 8072 8129 8255 8266
8305 8649 8668 8704 8734 8848 8873 8913 9097 9196
9259 9429 9500 9539 9573 9643 9668 9774 9857 9916
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:93 DrawDate on:07/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 81D 79988
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 79988 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05600 06772 18772 21841 25647 34300 36983 37114 37583 45929
3rd Prize ₹450/-
1981 2386 2419 4026 5525 6273 7608 8087 9147 9643
4th Prize ₹250/-
0802 1451 1842 2524 2636 2835 3898 5585 6295 9343
5th Prize ₹120/-
0023 0302 0438 0444 0577 0636 0734 0823 0951 1163
1195 1331 1557 1585 1608 1613 1896 1982 2135 2146
2227 2400 2443 2465 2587 2726 2804 3177 3374 3428
3612 3626 3660 3674 3733 3839 3961 4167 4498 4585
4752 5088 5092 5184 5251 5327 5334 5358 5429 5475
5484 5539 5570 5646 5792 5816 5873 5895 5916 6192
6249 6252 6262 6439 6510 6539 6611 6620 6638 6902
7028 7051 7128 7143 7222 7244 7358 7421 7451 7535
7617 7621 7687 7770 7786 7800 7982 8043 8085 8520
8559 8617 8700 9001 9002 9120 9202 9263 9303 9738
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:193 DrawDate on:07/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 84E 63440
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 63440 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00530 07879 16120 27003 29109 49598 53712 57967 59342 98508
3rd Prize ₹450/-
1384 1697 3262 6129 7062 7704 8042 9527 9683 9965
4th Prize ₹250/-
0124 0991 1152 1765 2662 3172 3489 4579 7223 7281
5th Prize ₹120/-
0015 0065 0278 0434 0630 0718 0847 0875 1081 1313
1327 1332 1370 1524 1553 1704 1862 1873 1952 2008
2058 2171 2275 2373 2587 2593 2658 2760 2793 3013
3075 3121 3210 3216 3508 3526 3692 3848 3982 3988
4030 4144 4231 4650 5000 5033 5102 5112 5410 5771
5788 5789 5896 6066 6076 6117 6238 6314 6421 6492
6537 6541 6642 7054 7139 7152 7216 7527 7530 7548
7580 7588 7684 7887 7918 7922 8159 8221 8366 8369
8392 8412 8481 8653 8827 8971 9023 9031 9051 9178
9245 9455 9548 9620 9637 9698 9742 9868 9958 9992
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

बेहाल बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी आर बोम्मई का कहना है कि बेंगलुरु बाढ़ में डूबा हुआ इसलिए दिख रहा है क्योंकि बारिश सारे रेकॉर्ड तोड़ने पर आमादा है। उनके मुताबिक पिछले 90 साल में ऐसी बारिश नहीं देखी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि समस्या पूरे बेंगलुरु शहर में नहीं है। सिर्फ दो जोन ही मुसीबत में घिरे हैं। हालांकि वहां से आ रही तस्वीरें और खबरें अलग ही कहानी पेश कर रही हैं, यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं क्योंकि इंद्रदेव राहत देने के मूड में नहीं लग रहे। फिर भी मुख्यमंत्री की इस बात से जरूर कुछ हद तक सहमति जताई जा सकती है कि बारिश ने सचमुच इस बार खेल किया है। एक जून से चार सितंबर के बीच कर्नाटक में 34 फीसदी सरप्लस बारिश रेकॉर्ड की गई। अगर शहर की ताजा स्थिति की ही बात करें तो सोमवार को वहां 13 सेंटीमीटर बारिश हुई और कुछेक इलाकों में तो यह 18 सेंटीमीटर तक दर्ज की गई। बावजूद इसके सारा ठीकरा बारिश पर नहीं फोड़ा जा सकता क्योंकि बेंगलुरु के लिए यह कोई नई बात नहीं है। और बेंगलुरु ही क्यों, आम तौर पर विकास का बड़ा केंद्र नजर आने वाले देश के तमाम बड़े शहरों की कलई उतारने को बस एक ठीक-ठाक बारिश काफी होती है।

चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद, गुड़गांव सभी हाल के वर्षों में इस हकीकत से रूबरू करा चुके हैं। वजहों पर आएं तो एक बात कॉमन दिखती है और वह है क्लाइमेट चेंज जैसे फैक्टर्स की ओर इशारा करने की। बेशक इसकी अपनी भूमिका मौसम का मिजाज बिगाड़ने में हो सकती है, लेकिन इससे आगे भी बहुत सारी वजहें हैं जो हालात को हद से ज्यादा खराब करने के लिए जिम्मेदार हैं। ये वजहें शहर प्रबंधन से जुड़ी हैं। बेहिसाब और अनियोजित शहरीकरण तो एक बड़ी वजह है ही, नियोजित इलाकों में भी जल निकास की व्यवस्था ठीक काम नहीं कर रही होती है। या तो नालियों पर ही अवैध निर्माण हो चुका होता है या फिर वे कूड़ों कचरों के ढेर से भरी जा चुकी होती हैं। और इन सबके अतिरिक्त एक बड़ी वजह है अंधाधुंध सीमेंटीकरण। आईआईएससी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2017 तक बेंगलुरु में 78 फीसदी जमीनी सतह पक्कीकृत हो चुकी थी और रिपोर्ट का अनुमान था कि 2020 तक 94 फीसदी पक्कीकरण हो चुका होगा। हरियाली की स्थिति तो और बुरी है। जहां 1973 में 68 फीसदी जमीनी क्षेत्र पर पेड़ पौधे थे, वहीं 2020 में यह अनुपात महज 3 फीसदी पर आ गया था।

जाहिर है, इन सबकी जिम्मेदारी मौजूदा मुख्यमंत्री पर नहीं डाली जा सकती, लेकिन वह भी सारा दोष बारिश के मत्थे नहीं मढ़ सकते। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि शहर इंफोसिस, विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के साथ बड़े पैमाने पर स्टार्टअप्स का ठिकाना भी है। बेंगलुरु देश की सिलिकॉन वैली बना रहे, इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाना होगा।

संपादकीय पृष्ठ

मजबूत विपक्ष देश की सबसे बड़ी जरुरत

निर्मल रानी

वैसे तो राजनीति शास्त्र के अनुसार लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पर नकेल कसने के लिये विपक्ष का मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है। अन्यथा सत्ता के पक्ष में आया प्रचंड बहुमत और साथ साथ विपक्ष का बिखरा व कमज़ोर होना सत्ता को अहंकारी व बेलगाम कर सकता है। यहाँ तक कि तानाशाही के रास्ते पर भी ले जा सकता है। पूर्व में भारत की राजनीति में पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गाँधी, अटल बिहारी बाजपाई व मनमोहन सिंह के शासनकाल तक में यह देखा गया है कि जहां मज़बूत विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाता आया है वहीँ सत्ता द्वारा भी विपक्ष को पूरा मान सम्मान दिया जाता रहा है और संसद में उसे अपनी बात कहने व सुझाव अथवा कोई आवश्यक संशोधन पेश किये जाने का अवसर दिया जाता रहा है। परन्तु 2014 के बाद देश की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन देखा जा रहा है। 'डबल इंजन की सरकार' के नाम पर राज्यों में सक्रिय दलों को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस मुक्त भारत जैसा ग़ैर लोकतान्त्रिक नारा देकर मुख्य विपक्षी दल को समाप्त करने की साज़िश रची जा रही है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को या तो पद अथवा पैसों की लालच देकर ख़रीदा जा रहा है या ई डी, सी बी आई व इनकम टैक्स जैसे विभागों का भय दिखाकर उन्हें अपने पक्ष में किया जा रहा है। क्या तमाशा है कि विपक्षी दलों में रहकर ई डी, सी बी आई व इनकम टैक्स से डरने वाला नेता जब सत्ता के पक्ष में आ जाता है तो वह भय मुक्त हो जाता है? यानी भ्रष्टाचारी का 'गंगा स्नान' हो जाता है। हद तो पिछले दिनों उस समय हो गयी जबकि यू पी ए की चेयरपर्सन व कांग्रेस अध्यक्ष जैसे पदों पर रही सोनिया गाँधी व कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गाँधी को ई डी के दफ़्तर में बार बार बुला कर उन्हें नीचा दिखाने व उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश की गयी। आज देश में मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में तोड़ फोड़, ख़रीद फ़रोख़्त या ई डी का भय दिखाकर बनाई जाने वाली सरकारें चल रही हैं।

बहरहाल, विपक्ष को समाप्त करने की सत्ता की इन कोशिशों के मध्य एक बार फिर विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशें तेज़ हो गयी हैं। इस बार विपक्षी एकता की धुरी बने हैं बिहार के मुख्य मंत्री नितीश कुमार। अकाली दल और शिव सेना की ही तरह नितीश कुमार के जे डी यू का भी भारतीय जनता पार्टी के साथ एन डी ए का हिस्सा बनने का लंबा अनुभव था। परन्तु जब उन्हें यह एहसास होने लगा कि भाजपा अपने 'विपक्ष मिटाओ' विशेषकर क्षेत्रीय दल मिटाओ अभियान के तहत जे डी यू को भी निगलने की फ़िराक़ में है। तभी उनकी आँखें खुलीं और वे भाजपा से नाता तोड़ कर 'भाजपा भगाओ' मुहिम के सूत्रधार बन बैठे। पिछले दिनों विपक्ष को एकजुट करने के अपने इसी अभियान के तहत नितीश कुमार ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गाँधी, सीता राम येचुरी, अरविन्द केजरीवाल, डी. राजा, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, ओम प्रकाश चौटाला, शरद यादव व एचडी कुमारस्वामी आदि नेताओं से मुलाक़ात की। वे भजपा विरोधी सभी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट कर भाजपा के 'अपराजेय' होने का भ्रम तोड़ना चाहते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी राष्ट्रीय स्तर पर किसी ऐसे ही विपक्षी गठबंधन को आकार देने के प्रयास में हैं।

परन्तु इन नेताओं की कोशिशों से इतर कुछ नेता ऐसे भी हैं जिनकी नज़रें भाजपा को सत्ता से हटाने से ज़्यादा इस बात पर टिकी हैं कि किस तरह उनका प्रधानमंत्री बनना अथवा मुख्यमंत्री बनना सुनुश्चित हो सके। किस तरह उनके संगठन के विस्तार की निरंतरता बनी रही और वे एक राज्य के बाद दूसरे और दूसरे के बाद तीसरे फिर चौथे राज्य में अपना जनाधार बढ़ाते रहें। और इन्हीं में कुछ ऐसे दल भी हैं जो धर्मनिरपेक्षता की दुहाई भी देते हैं और साथ ही कांग्रेस को भी भाजपा जैसा ही अपना दुश्मन भी समझते हैं। ऐसे ही दल व उनके नेता ग़ैर भाजपा व ग़ैर कांग्रेस मोर्चे के गठन की बात करते हैं। जबकि हक़ीक़त यह है कि लाख कमज़ोर होने के बावजूद किसी भी विपक्षी दल के लिये कांग्रेस की अनदेखी कर पाना संभव नहीं है। चाहे वे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव हों, बसपा की मायावती, आप के अरविंद केजरीवाल, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, ए आई आई एम के असदुद्दीन ओवैसी या भाजपा का सैद्धांतिक रूप से विरोध कर रहे और कोई संगठन। वर्तमान में इन सभी को अपनी निजी व अपने दलों की राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर सोचने की ज़रुरत है। यदि यह दल व इनके नेता भाजपा को देश के लोकतंत्र के लिये यहाँ तक कि देश के संविधान व देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिये ख़तरा मानते हैं फिर किसी कांग्रेसयुक्त विपक्षी गठबंधन से पहले ही इन्हें अपने दल के पैर पसारने, अपनी गद्दी सुरक्षित करने जैसी चिंताएं आख़िर क्यों सताने लगती हैं।

विपक्षी एकता में बाधा बनने वाले तथा भाजपा की ही तरह कांग्रेस से भी भयभीत दिखाई देने वाले नेता व दल इस तथ्य की अनदेखी क़तई नहीं कर सकते कि इस समय राहुल गांधी ही देश के अकेले विपक्षी नेता हैं जो किसी ई डी व सी बी आई की परवाह किये बिना जनसरोकार के मुद्दों को लेकर सत्ता पर लगातार हमलावर हैं। पिछले दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में 'मंहगाई पर हल्ला बोल' जैसा विशाल व ऐतिहासिक आयोजन कर और अब कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के द्वारा जो राष्ट्रीय प्रयास राहुल गाँधी व कांग्रेस द्वारा किये जा रहे हैं इस तरह का आयोजन कर पाना किसी भी कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दल के बूते की बात नहीं। इसलिये यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि नितीश कुमार व के चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं के विपक्षी एकता के लिये किये जा रहे प्रयासों में यदि कोई भी दल या नेता किसी तरह के किन्तु परन्तु का सहारा लेकर विपक्षी एकता में पलीता लगाने की कोशिश करता है तो इससे दो ही निष्कर्ष निकाला जा सकता है। या तो वह दक्षिणपंथी सांप्रदायिक शक्तियों की कठपुतली बनकर ऐसा कर रहा है या फिर उसे भी अपने किये गये दुष्कर्मों के चलते ई डी व सी बी आई का भय सता रहा है। अन्यथा सच तो यही है कि अनियंत्रित व अहंकारी सत्ता के इस दौर में राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत व एकजुट विपक्ष ही वर्तमान समय में देश की सबसे बड़ी ज़रुरत है।

मैत्री की नई इबारत

शशांक

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की चार दिवसीय यात्रा दोनों देशों के हितों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद अर्थव्यवस्था को विकसित करना और अपने लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है। वर्ष 1971 के मुक्ति युद्ध को याद करते हुए उन्होंने न केवल भारत के योगदान को स्वीकार किया, बल्कि उसके लिए भारत का शुक्रिया भी किया। उन्होंने कहा कि 'मैत्री से आप कोई भी समस्या हल कर सकते हैं। और भारत हमेशा से हमारा एक अच्छा दोस्त रहा है।'

अगर दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य में हम देखें, तो बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बहुत करीबी हैं। इस समय यूक्रेन युद्ध, कोविड महामारी, कई देशों में मंदी और चीन की कर्ज कूटनीति की वजह से दक्षिण एशिया के देशों में खुद को बचाने की नीति चल रही है। एक समय जिस तरह ट्रंप ने अमेरिका पहले की नीति अपनाई थी, उसी तरह सभी देश अपने हित को पहले देख रहे हैं। भारत और बांग्लादेश भी उससे अछूता नहीं है। इसी पृष्ठभूमि दोनों प्रधानमंत्रियों की द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई।

बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का अब सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और द्विपक्षीय व्यापार 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यही नहीं, बांग्लादेश भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य भी बन गया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश को सबसे बड़ा विकास साझेदार बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत तेजी से बढ़ा है। दोनों देशों ने सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष एवं परमाणु क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है और पावर ट्रांसमिशन लाइन पर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है।

दोनों देशों के बीच सात समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। भारत-बांग्लादेश के बीच कुशियारा नदी के जल बंटवारे पर समझौता होना दोनों देशों के लिए सुखद है। इससे भारत में दक्षिणी असम और बांग्लादेश में सिलहट क्षेत्र को लाभ होगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आतंकवाद और कट्टरवाद के खिलाफ सहयोग पर भी चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों को मिलकर उन आतंकी और चरमपंथी ताकतों का सामना करना चाहिए, जो दोनों देशों के परस्पर विश्वास पर हमले की धमकी देते हैं।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमृत काल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई सार्थक चर्चा का दोनों देशों के लोगों को लाभ होगा और हमने सभी बकाया मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है। हम तीस्ता मुद्दे के भी सर्वसम्मत हल की उम्मीद करते हैं। इतने मधुर और मजबूत रिश्ते होने के बावजूद हमें यह ध्यान में रखने की जरूरत है कि बांग्लादेश के रिश्ते चीन के साथ भी हैं और चीन से उसने काफी कर्ज ले रखा है।

चीन बांग्लादेश में भी काफी निवेश करने में लगा हुआ है, जो भारत के हितों में नहीं है। हमें बांग्लादेश की मदद करने के साथ ही इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, ताकि भविष्य में सुरक्षा संबंधी कोई परेशानी न हो। जहां तक आर्थिक मुद्दों की बात है, हमारे यहां से कॉटन बांग्लादेश जाता है और वहां उसे प्रसंस्कृत करके बांग्लादेश दुनिया भर में निर्यात करता है।

कॉटन निर्यात में बांग्लादेश विश्व का दूसरे नंबर का देश है। इससे निश्चित रूप से भारत को नुकसान हुआ है।

अब तक बांग्लादेश को भारतीय बाजार में जितनी पहुंच मिली हुई है, उसे आगे बढ़ाना भारत के हित में नहीं होगा। इस समय दोनों देशों के बीच सबसे ज्यादा संभावना भारत की मुख्यभूमि और पूर्वोत्तर भारत के इलाकों के बीच बांग्लादेश से होकर कनेक्टिविटी (संपर्क मार्ग) के क्षेत्र में है। चाहे मल्टीमॉडल हो, चाहे जलमार्ग हो, चाहे सड़क संपर्क हो, चाहे रेल संपर्क हो, इन सबमें बांग्लादेश हमारी मदद कर सकता है और भारत की दिलचस्पी इसी में होनी चाहिए।

घरेलू स्तर पर राजनीतिक विरोध के कारण बांग्लादेश अभी तक इस मामले में हमारी ज्यादा मदद नहीं कर पा रहा था, लेकिन यदि इस क्षेत्र में वह सहयोग बढ़ता है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। इसके अलावा बांग्लादेश के पास जो गैस की उपलब्धता है या वहां जो ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है, उसे गैस पाइपलाइन के जरिये भारत से साझा किया जा सकता है। साथ ही पूर्वोत्तर भारत में जो गैस उपलब्धता है, उसे भी उस गैस पाइपलाइन के जरिये ट्रांसमिट किया जा सकता है।

इसी तरह से यदि म्यांमार से गैस पर सहमति बनती है, तो बांग्लादेश के रास्ते गैस पाइपलाइन के जरिये उसे भारत लाया जा सकता है। शेख हसीना की इस यात्रा का एक आयाम रोहिंग्या मुसलमानों से भी जुड़ा है, जो जटिल समस्या है। रोहिंग्या समस्या मूलत: बांग्लादेश की है, क्योंकि रोहिंग्या सबसे पहले बांग्लादेश का रुख करते हैं, फिर भारत की तरफ आते हैं। वे उसी इलाके से म्यांमार गए थे, जो आज का बांग्लादेश है। हालांकि म्यांमार के पास और भी मुस्लिम देश हैं, जैसे मलयेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनई, लेकिन वे बांग्लादेश या भारत ही आना चाहते हैं।

इसलिए जरूरी है कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए हम म्यांमार को भी साथ लें और इस समस्या का हल तलाशें। वैसे इस मुद्दे से द्विपक्षीय रिश्तों पर बहुत असर नहीं पड़ने वाला है। बांग्लादेश से हमारे यहां बहुत से घुसपैठिए आते हैं, खासकर मतदान के समय, मदरसा शिक्षा और मस्जिदें बनाने के लिए। और वे उन मदरसों में लोगों को आतंकी प्रशिक्षण देने की कोशिश करते हैं। बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से घुसाने और भारत से पशुओं की तस्करी कर बांग्लादेश भेजने में बहुत से लोग संलिप्त हैं, जो कई बार पकड़े भी जाते हैं।

यह कई हजार करोड़ रुपये का कारोबार है, जिससे सुरक्षा की समस्या भी पैदा होती है। मौजूदा वैश्विक संकटों, चीन की आक्रामकता और कोविड महामारी के आर्थिक प्रभावों से उबरने के मौजूदा दौर में इन सब विषयों पर दक्षिण एशिया के देशों को आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए, ताकि हम अपने लोगों के हितों की रक्षा कर सकें। हमें बांग्लादेश की मदद जरूर करनी चाहिए, पर अपने हित का भी ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि भारत अगर उसे आर्थिक मदद करेगा भी, तो वह पैसा चीन का कर्ज चुकाने में खर्च हो जाएगा, जो हमारे हित में नहीं है। इस परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और अन्य देशों से बांग्लादेश को आर्थिक सहायता दिलाने में समर्थन करना एक अच्छा विकल्प रहेगा।

जमीनी स्तर पर पेसा कानून की अनदेखी

राजकुमार सिन्हा

हाल में मध्य प्रदेश के राज्यपाल के जनजातीय सेल द्वारा पेसा कानून के मसौदे को विभिन्न विभागों को भेजकर उनकी सहमति प्राप्त करने की खबर छपी है। केवल वन विभाग ने इस पर कोई स्पष्टता नहीं की और उसी दिन प्रदेश के वनमंत्री द्वारा अपने गृह जिले में तेंदू पत्ता के संग्रहण एवं व्यापार का अधिकार ग्रामसभाओं को देने से इनकार करने की खबर भी छपी है। तो क्या पेसा कानून लघु-वनोपजों पर आदिवासियों के अधिकार की अनदेखी करता है?

लघु-वनोपज आदिवासी क्षेत्रों के लिए आय का प्रमुख स्रोत है, जिसको लेकर संविधान संशोधन के उपरांत प्रावधान किए गए हैं। वन क्षेत्रों पर पंचायत उपबंध (अधिसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम1996 (पेसा) के अन्तर्गत लघु-वनोपज का स्वामित्व ग्रामसभा को प्रदान करने का प्रावधान है। वन अधिकार कानून2006 में ग्रामसभा को वन-प्रबंधन का अधिकार देने का उल्लेख है। संविधान में अनुसूचित क्षेत्रों के वन प्रबंधन में ग्रामसभा का अधिकार सुनिचित करने के लिए भारतीय वन कानून 1927 में आवश्यक संशोधन के लिए केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाया गया है।

वन विभाग द्वारा वन प्रबंधन भारतीय वन कानून1927 के अनुसार किया जाता है, जो कि वन को केवल राजस्व प्राप्ति का साधन मानता है। पेसा कानून के मसौदे में भूमि अधिग्रहण के पूर्व परामर्श का उल्लेख किया गया है, जबकि परामर्श की जगह सहमति और उनके द्वारा पारित प्रस्ताव को बाध्यकारी बनाया जाना चाहिए, ताकि आदिवासी क्षेत्रों में जबरन विस्थापन रोका जा सके। आदिवासी क्षेत्रों में फर्जी ग्रामसभा या प्रशासन तंत्र द्वारा दबाव डालकर या प्रलोभन देकर परियोजना के पक्ष में सहमति लेने की अनैतिक कार्रवाइयां सुर्खियां बटोर चुकी हैं।

गांव में शांति बहाली और विवाद निपटाने का अधिकार ग्रामसभा का होगा, परंतु ग्राम न्यायालय कानून द्वारा विवाद निपटाने के अधिकारों पर अतिक्रमण किया जा रहा है। पेसा कानून के मसौदे में कहा गया है कि यदि कपट पूर्वक जमीन पर कब्जा किया गया है, तो उसे दिलाने का अधिकार ग्रामसभा को होगा। यह अधिकार पेसा कानून आने के बाद मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता1959 में संशोधन करके दे दिया गया है।

संशोधन के अनुसार, यदि ग्रामसभा अनुसूचित क्षेत्र में यह पाती है कि आदिम जनजाति के किसी सदस्य की भूमि पर कोई गैर-जनजाति का व्यक्ति कब्जा कर रहा है, तो ग्रामसभा ऐसी भूमि का कब्जा दिलाएगी। यदि ग्रामसभा आदिम जनजाति के पीड़ित को कब्जा दिलाने में विफल रहती है, तो वह मामले को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) की ओर निर्देशित कर भेजेगी, जो तीन महीनों के अंदर पीड़ित व्यक्ति को जमीन का कब्जा दिलाएगा।

शराब की नई दुकान खोलनी है या पुरानी दुकान का स्थान परिवर्तन किया जाता है, तो मंजूरी ग्रामसभा देगी। इसी प्रकार पेसा कानून के अनुरूप मध्य प्रदेश साहूकार अधिनियम1934 में व्यापक बदलाव किया गया है, परंतु जिला-स्तर के अधिकारी / कर्मचारी इनको लागू करने पर ध्यान नहीं देते। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की 14वीं रिपोर्ट (2018-19) में दिए गए सुझाव और अवलोकन पर कार्रवाई करते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 29 अप्रैल, 2022 को राज्यपाल के सभी प्रमुख सचिवों व सचिवों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

उसमें लिखा गया है कि राज्यपाल को पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून, विनियमन, अधिसूचना का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना चाहिए। उन्हें यह अधिकार संविधान से मिला हुआ है। क्या वाकई राज्यपाल इस शक्ति का इस्तेमाल करते हैं? संविधान के अनुच्छेद-244 में व्यवस्था है कि किसी भी कानून को पांचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में लागू करने के पूर्व राज्यपाल उसे जनजातीय सलाहकार परिषद को भेजकर अनुसूचित जनजातियों पर उसके दुष्प्रभाव का आकलन करवाएंगे और तदनुसार कानून में फेरबदल के बाद उसे लागू किया जाएगा। आमतौर पर इस सांविधानिक व्यवस्था की अनदेखी ही की जाती है।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उतरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जंगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकी पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्सप्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

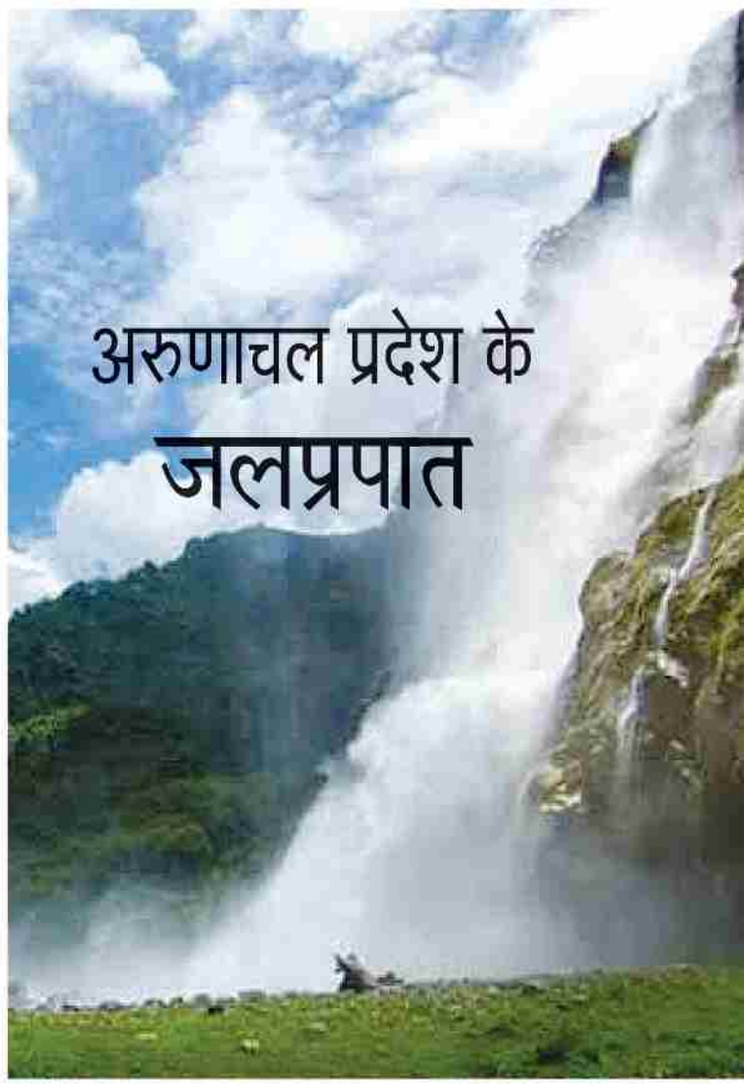

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके हुए महसूस

काबुल । अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही। ये झटके दोपहर में 1.39 मिनट पर आए कहा जा रहा है कि इस भूकंप का केंद्र राजधानी काबुल से 179 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व की तरफ था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 68 किमी नीचे थी। फिलहाल जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बता दें कि जून से लेकर अब तक अफगानिस्तान में दो बड़े भूकंप आए हैं। जुलाई में पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 31 लोग घायल हो गए थे। ये वहीं इलाका था जहां जून में खतरनाक भूकंप आए थे। इस जलजले में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और बड़े पैमाने पर तबाही मची थी।

विदेशी श्रमिकों के आवास स्थलों के मानकों में सुधार करेगा सिंगापुर

कोविड-19 के दौरान महामारी का केंद्र बने विदेशी श्रमिकों के रहने के डॉर्मेटरी वाले क्षेत्रों को अब एकल नियामक प्रारूप के तहत लाइसेंस दिया जा रहा है। इससे अधिकारियों को उनके संचालन मापदंड को उन्नत करने एवं किसी महामारी के फैलने पर उसका प्रबंधन करने के लिए वहां अतिरिक्त प्रावधान लागू के अधिकार मिल जाएंगे। मंगलवार में मीडिया में आयी खबरों के अनुसार इस बदलाव के बाद विदेशी कर्मी डॉर्मेटरी कानून (फेडा) के तहत लाइसेंसशुदा डॉर्मेटरी की संख्या 53 से बढ़कर 1600 हो जाएंगी। इसके कारण इनके दायरे में कुल 4,39,00 बिस्तर आ जाएंगे जहां अन्य श्रमिकों के साथ भारतीय श्रमिक भी रहते हैं। कार्य बल मंत्रालय (एमओएम) ने मंगलवार को घोषणा की कि अगले साल एक अप्रैल से फेडा के दायरे के तहत उन डॉर्मेटरी को लाया जाएगा जहां सात से लेकर 1000 से नीचे तक बिस्तरे हों। चैनल न्यूज़ एशिया के अनुसार फिलहाल सभी डॉर्मेटरी को अग्नि सुरक्षा, जीवन परिस्थितयों, स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य आवश्यकताओं के जैसे विषयों में विभिन्न कानूनों के तहत अलग अलग मानक पूरे करने पड़ते हैं। सिंगापुर में 1000 या उससे अधिक बिस्तर वाले डॉर्मेटरी ही फेडा के तहत लाइसेंसशुदा हैं और उन्हें वहां रहने वालों के लिए जनस्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मनोरंजन एवं वाणिज्यिक सुविधाओं की शर्तें पूरी करनी होती है। वर्ष 2020 में इन डॉर्मेटरी में रहने वाले हजारों प्रवासी कोविड-19 से संक्रमित हो गये थे। पिछले साल एमओएम ने घोषणा कि वह फेडा के दायरे का विस्तार करने के लिए उसकी समीक्षा करेगा।

एक राजनयिक ने बताया कि अमेरिका जलवायु संकट से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई भागीदारों के साथ काम करेगा

वाशिंगटन। अमेरिका की एक शीर्ष राजनयिक ने मंगलवार को कहा कि उनका देश जलवायु परिवर्तन संकट के समाधान के लिए पूरे दक्षिण एशिया में अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के प्रति समर्पित है। अमेरिका सरकार की दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों की कार्यवाहक प्रधान उप सहायक विदेश मंत्री एलिजाबेथ होर्स्ट ने यहां पहले क्लाइमेट एक्शन चैंपियंस नेटवर्क सम्मेलन के दौरान यह बात कही। वह इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए नेपाल की संक्षिप्त यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंची। सम्मेलन में बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका के 100 युवा नेताओं ने उन विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जो जलवायु परिवर्तन के चलते उत्पन्न हो रही हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने फेसबुक पेज में पहले कहा था, '' अपनी इस यात्रा के दौरान होर्स्ट जलवायु परिवर्तन पर हमारी साझेदारी पर बल देंगी तथा वह पहले पहले क्लाइमेट एक्शन चैंपियंस नेटवर्क सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।'' सम्मेलन में होर्स्ट नेजलवायु संकट का तत्काल मिलकर मुकाबला करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, '' जलवायु परिवर्तन समुदायों को नुकसान पहुंचाता है। अमेरिका इस गंभीर संकट का समाधान करने के लिए पूरे दक्षिण एशिया में अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के प्रति समर्पित है।

यूनियन के साथ हुए समझौते से टली जर्मनी में लुफ्थांसा के पायलटों की हड़ताल

लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलटों का प्रतिनिधित्व कर रही एक यूनियन ने जर्मनी की सबसे बड़ी विमानन कंपनी के साथ वेतन को लेकर हुए विवाद पर समझौता होने के बाद मंगलवार को अंतिम समय में दो दिनों की प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली। द वेरिनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने वेतन वृद्धि के मामले में 'गंभीर' पेशकश की मांग हुए बुधवार और बृहस्पतिवार को हड़ताल करने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी पायलटों ने हड़ताल की थी जिसके कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं और यह सप्ताह भर के भीतर पायलटों की दूसरी हड़ताल होती। जल्दबाजी में मगलवार को बुलायी गई बैठक में यूनियन ने कहा कि दोनों पक्षों में ''विस्तृत वित्तीय और संगठनात्मक संरचना के मुद्दों'' पर सैद्धांतिक सहमति बनी है, जिसका विवरण आने वाले दिनों में तय किया जाएगा। बातचीत के बाद यूनियन ने हड़ताल वापस ले ली। बातचीत से पहले लुफ्थांसा ने कहा था कि वह दोपहर तक तय करेगी कि आने वाले दिनों में किन उड़ानों को रद्द करना है और हड़ताल का उसकी उड़ान पर बहुत व्यापक प्रभाव होगा। समझौते की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। द वेरिनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने अपने सदस्यों के लिए इस साल 5.5 प्रतिशत और 2023 में 8.2 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग की है। पायलटों ने वेतन और छुट्टियों को लेकर नयी व्यवस्था की भी मांग की है। विमानन कंपनी का कहना है कि इन बदलावों से कर्मचारियों पर उसकी लागत 40 फीसदी तक बढ़ जाएगी, जिसपर दो वर्षों में करीब 90 करोड़ यूरो (करीब 7,200 रुपये) का खर्च आएगा। इसके स्थान पर कंपनी एक बार में 900 यूरो की वेतन वृद्धि करने की बात कह रही थी, जो वरिष्ठ पायलटों के लिए पांच फीसदी और अन्य के लिए 18 फीसदी होती।

राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंध मजबूत करने के लिए मंगोलिया से शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की

लंदन। मंगोलिया की यात्रा करने वाले भारत के पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां इस देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और आपसी विश्वास, साझा हितों, लोकतंत्र के साझा मूल्यों एवं कानून के शासन पर आधारित द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को पूर्णतय- लागू करने का निर्णय लिया। सिंह ने उलानबटोर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में भारत की सहायता से निर्मित 'साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र' का उद्घाटन भी किया और भारत की मदद से बनने वाले 'भारत-मंगोलिया मैत्री स्कूल' की आधारशिला रखी। सिंह ने मंगोलिया के राष्ट्रपति यू. खुरेलसुख, रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल सैखानबयार गुर्सेद और स्टेट ग्रेट खुराल (संसद) के अध्यक्ष जी. जानदनशतार से मुलाकात की। राजनाथ सोमवार से मंगोलिया तथा जापान की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मकसद क्षेत्रीय सुरक्षा के हालात और वैश्विक भू-राजनीति में उथलपुथल के बीच दोनों देशों के साथ भारत के रणनीतिक एवं रक्षा संबंधों का विस्तार करना है। सिंह पांच से सात सितंबर तक मंगोलिया में रहेंगे। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा इस पूर्वी एशियाई देश की पहली यात्रा है। सिंह ने ट्वीट किया, ''मंगोलिया के राष्ट्रपति यू. खुरेलसुख से उलानबटोर में मुलाकात बेहतरीन रही। उनके साथ 2018 में जब मुलाकात हुई थी, तब वह देश के प्रधानमंत्री थे। हम मंगोलिया के साथ अपनी बहुआयामी सामरिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।'' सिंह को उलानबटोर में रक्षा मंत्रालय में औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इसके बाद उनके और उनके मंगोलियाई समकक्ष के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। रक्षा मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा संबधों को और मजबूत करने के लिए प्रभावी और व्यावहारिक पहलों पर चर्चा की तथा आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि दोनों मंत्रियों ने आपसी विश्वास और समझ, समान हितों और लोकतंत्र के साझा मूल्यों और कानून के शासन पर आधारित रणनीतिक साझेदारी को पूर्णतय- लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ताइवान में संन्य अभ्यास के दौरान गोले दागते हुए एक टैंक।

थल सेना प्रमुख जनरल पांडे ने नेपाली प्रधानमंत्री से मुलाकात की

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की। जनरल पांडे ने अपनी आधिकारिक यात्रा के तीसरे दिन देउबा से भेंट की। उनकी इस यात्रा का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत बनाना है। नेपाली सेना ने ट्वीट किया, भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेर बहादुर देउबा से भेंट की।'' भारतीय दूतावास के अनुसार जनरल पांडे के साथ राजदूत नवीन श्रीवास्तव और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य भी थे। जनरल पांडे ने काठमांडू में अपनी बैठकों के बारे में प्रधानमंत्री देउबा को जानकारी दी और उनकी सरकार के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। जनरल पांडे रविवार को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ विस्तृत बातचीत करेंगे और दोनों पड़ोसी देशों के बीच के रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर देंगे। नेपाली सेना ने एक अन्य ट्वीट में कहा, जनरल मनोज पांडे के सम्मान में जनरल प्रभु राम शर्मा और श्रीमती सुनीता शर्मा ने नेपाली सेना मुख्यालय में एक भोज का आयोजन किया। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे मंगलवार को यहां आर्मी कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में गए एवं प्रतिष्ठित संस्थान के कर्मियों और छात्रों से बातचीत की।

रूस अपने लक्ष्यों को हासिल करने तक यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई जारी रखेगाः पुतिन

मॉस्को। (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि मॉस्को अपने उद्देश्यों को हासिल करने तक यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। उन्होंने प्रतिबंधों के जरिये रूस को अलग-थलग करने संबंधी पश्चिमी देशों के प्रयासों का उपहास भी किया। पुतिन ने सुदूर पूर्वी बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक में आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में कहा कि यूक्रेन में सेना भेजने के पीछे आठ साल की लड़ाई के बाद उस देश के पूर्वी क्षेत्र में नागरिकों की रक्षा करना मुख्य लक्ष्य था।

उन्होंने कहा, ''हम वे लोग नहीं हैं, जिन्होंने सैन्य कार्रवाई शुरू की थी, हम इसे समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने अपने इस तर्क की पुष्टि करते हुए कि उन्होंने यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की रक्षा के लिए यूक्रेन में सेना भेजी, जिन्होंने 2014 में क्रीमिया के रूस के कब्जे के बाद भड़के संघर्ष में यूक्रेनी सेना से लड़ाई लड़ी है। पुतिन ने कहा, ''हमारी सभी कार्रवाई का उद्देश्य डोनबास में रहने वाले लोगों की मदद करना है, यह हमारा कर्तव्य है और हम इस लक्ष्य को हासिल करके रहेंगे।'' पुतिन ने कहा कि रूस ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना करते हुए अपनी संप्रभुता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''रूस ने पश्चिम के आर्थिक, वित्तीय और तकनीकी हमले का जवाब दिया है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि हमने कुछ नहीं खोया है और हम कुछ भी नहीं खोएंगे। सबसे सकारात्मक बात यह है कि हमारी संप्रभुता और मजबूत हुई है।'' रूसी नेता ने कहा कि रूस में आर्थिक ओर वित्तीय स्थिति स्थिर हो गई है, उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति कम हो गई है और बेरोजगारी दर भी कम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस अपने वैश्विक प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए किसी भी दुस्साहस का सामना करते हुए अपनी संप्रभुता की रक्षा करना जारी रखेगा।

जापान, अमेरिका और फिलीपीन समुद्री सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं

तोयो (एजेंसी)।

तोक्यो में एक अमेरिकी राजनयिक ने चीन की ''बढ़ती आक्रामक समुद्री गतिविधियों' की आलोचना करते हुए मंगलवार को उन्हें संसाधन संपन्न हिन्द-प्रशांत जलमार्ग की सुरक्षा के लिए खतरा बताया। गौरतलब है कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों जापान और फिलीपीन के साथ समुद्री सुरक्षा समझौता करना चाहता है, ऐसे में उसका यह बयान महत्वपूर्ण है। अमेरिका के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन रेमंड ग्रीनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून की उपेक्षा और बीजिंग की आक्रामक गतिविधियों का लक्ष्य क्षेत्र में उसके नियंत्रण को बढ़ाना है।

तीनों देशों के अधिकारियों के बीच बैठक से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए ग्रीनी ने कहा, ''खास तौर से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) की आक्रामक समुद्री गतिविधियां हमारे जलमार्गों की सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं।'' उन्होंने कहा कि बल प्रयोग और प्रत्यक्ष धमकी के जरिये हिन्द-प्रशांत जलक्षेत्र पर कोई भी देश हावी नहीं हो सकता है।...हम बीजिंग की उकसावे की कार्रवाइयों की आलोचना करने से नहीं बच रहे। उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाई में पूर्वी और दक्षिणी चीन सागरों का सैन्यीकरण, विदेशी मछुआरों की नौकाओं और अन्य नावों को परेशान करना, समुद्री संसाधनों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना शामिल है।

सैन्य और सेना पर खर्च के मामले में चीन दूसरे स्थान पर है, जबकि अमेरिका पहले स्थान पर है। चीन पिछले कुछ वर्षों से लगातार अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। हालांकि उसका कहना है कि पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) का लक्ष्य सुरक्षा/रक्षा और उसके सम्प्रभू अधिकारों की सुरक्षा है। लेकिन पड़ोसी देश जापान चीन को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा के रूप में देखता है और ताइवान के आसपास बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित भी है।

जॉनसन डाउनिंग स्ट्रीट छोड़कर महारानी को इस्तीफा देने के लिए रवाना हुए

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपना आधिकारिक आवास छोड़ दिया और महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने के लिए स्कॉटलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। जॉनसन ने करीब दो महीने पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मंशा जताई थी और उनके देर पूर्वाह्न बालमोराल एस्टेट में महारानी से मुलाकात करने की संभावना है, ताकि लिज ट्रस को सत्ता हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो सके। ट्रस को सोमवार को सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का नेता घोषित किया और कुछ समय बाद महारानी से मुलाकात के बाद वह प्रधानमंत्री नियुक्त की जाएंगी। आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट के सामने जॉनसन ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है

ताकि इस्तीफा देने से पहले लोगों को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा, '' मैं उस बूस्टर रॉकेट की तरह हूं जिसने अपना काम कर दिया है।''

गौरतलब है कि पहली बार सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय एबर्डीनशायर स्थित शाही परिवार के ग्रीष्मकालीन आवास बालमोराल कैसल में हो रही है। इसकी वजह महारानी की 96 वर्ष की उम्र है जिसके कारण वह आने-जाने में समस्या का सामना कर रही हैं और महल के अधिकारियों को उनकी दैनिक यात्रा के बारे में निर्णय बहुत सोच समझ कर लेना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज, उनके बेटे हमजा ने धनशोधन के मामले से बरी करने की अर्जी दी

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे व पंजाब सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज के खिलाफ लाखों डॉलर के धनशोधन के मामले में आरोप तय करने में बुधवार को देरी हुई, क्योंकि उन्होंने नए सिरे से अर्जी देकर मामले से बरी करने का अनुरोध किया है। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की विशेष अदालत को पिता-पुत्र के खिलाफ 1400 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के धनशोधन के मामले में बुधवार को अभियोग तय करना था, लेकिन उनके वकीलों ने अदालत को सूचित किया कि उनके मुवक्किलों ने मामले से बरी करने की अर्जी दायर की है।

अधिवक्ता ने प्रधानमंत्री को पेशी से एक बार के लिए छूट देने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह बुधवार की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकते हैं क्योंकि वह बाढ़ राहत के कार्यों में व्यस्त हैं। इसपर न्यायाधीश इजाज हसन अवान ने अधिवक्ता से सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री 10 मिनट के लिए भी सुनवाई में नहीं आ सकते? इसके जवाब में अधिवक्ता अमजद परवेज ने कहा कि प्रधानमंत्री अगली सुनवाई के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इसके बाद न्यायाधीश ने कार्यवाही 17 सितंबर के लिए स्थगित कर दी जिस दिन उनकी बरी करने की अर्जी पर बहस होगी। सुनवाई के बाद संवाददाताओं से अधिवक्ता ने कहा कि चूंकि 70 वर्षीय प्रधानमंत्री और उनके 48 वर्षीय बेटे ने बरी करने की अर्जी दी है, अत- अदालत में अभियोग तय करने की प्रक्रिया नहीं चल सकती। उन्होंने कहा, '' अब अदालत पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे की बरी करने की अर्जी पर फैसला देगी।'' गौरतलब है कि शहबाज और हमजा दोनों इस मामले में अग्रिम जमानत पर है।

अदालत शहबाज के छोटे बेटे सुलेमा शहबाज को मामले मेंघोषित अपराधी घोषित कर चुकी है। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बेटों हमजा तथा सुलेमान के खिलाफ 1400 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के कथित धन शोधन और भ्रष्टाचार के आरोप में संघीय जांच एजेंसी ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून और धन शोधन रोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया है। सुलेमान 2019से ब्रिटेन में हैं। शहबाज अक्सर कहते हैं कि सुलेमान वहां परिवार का कारोबार संभालते हैं। प्रधानमंत्री ने एक पिछली सुनवाई में अदालत में कहा था कि ''फैसले का दिन भले ही आ जाए लेकिन संघीय जांच एजेंसी मेरे खिलाफ एक रुपये का भी भ्रष्टाचार साबित नहीं कर पाएगी।

पाकिस्तान में बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत

बर्नेबी (कनाडा)। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में मॉनसून के कारण आई बाढ़ को ÷दानव मॉनसून÷ करार दिया गया है। इससे पता चलता है कि बारिश के कारण वहां किस हद तक तबाही हुई। बीते दो महीने के दौरान आई इस आपदा से पहले देश को मार्च और अप्रैल के महीने में प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ा था। इस गर्मी के कारण पाकिस्तान के उत्तर में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने की गति में वृद्धि हुई और जुलाई अगस्त के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अप्रत्याशित बारिश हुई।

मानव जनित कारणों से जलवायु में हुए परिवर्तन की वजह से मौसम में इस तरह का बदलाव देखने को मिला। इस साल की गर्मी ने पिछले सौ वर्षों का कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया और दक्षिण पूर्वी सिंध प्रांत में औसत से नौ गुना ज्यादा बारिश हुई। जून के मध्य से अब तक 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और बाढ़ के कारण तीन करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। वर्ष 2019 में पाकिस्तान द्वारा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की दर 43 करोड़ 30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड प्रति वर्ष थी जो कि वैश्विक उत्सर्जन का 0.9 प्रतिशत था।

पाकिस्तान वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों का बेहद कम उत्सर्जन करता है लेकिन जलवायु परिवर्तन की मार उस पर सबसे ज्यादा पड़ी। इसलिए पाकिस्तान को इस आपदा से उबारने का जिम्मा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का है। मैंने उत्तरी अमेरिका में बाढ़ के आर्थिक प्रभावों का अध्ययन किया है और सिंधु नदी बेसिन में जल प्रबंधन के इतिहास को पढ़ा है इसलिए मैं यह कह सकता हूं कि वर्तमान में जो 10 अरब डॉलर की क्षति बताई जा रही है वह, इस विभीषिका से हुए नुकसान की वास्तविकता से कोसों दूर है। पाकिस्तान में 2010 में भी बाढ़ आई थी जिसके कारण 1,985 लोगों की जान चली गई थी और 10 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। बार-बार होने वाली इन घटनाओं से भविष्य में आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए बनाई जा रही रणनीति पर सवाल खड़े होते हैं। यह स्पष्ट है कि बाढ़ प्रबंधन का मूल ढांचा पर्याप्त नहीं है और सरकारी विभागों द्वारा समय पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती जिससे समस्या और बढ़ जाती है।

पाकिस्तान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने 28 जून को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था तब उसकी गंभीरता को नहीं समझा गया। एनडीएमए ने अगस्त की शुरुआत में इन अलर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्रवाई की लेकिन प्राधिकरण की ओर से दी गई सहायता कुछ हजार लोगों के लिए थी जबकि आपदा से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या लाखों में थी। इसके बाद सेना को सहायता के लिए बुलाना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने अगस्त के अंत में 16 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की अपील जारी की। कनाडा की संघीय सरकार ने भी मानवीय सहायता के लिए पचास लाख डॉलर जारी किये। तात्कालिक तौर पर यह सहायता आवश्यक थी लेकिन पाकिस्तान

की आगामी चुनौतियों के सामने यह बेहद कम है।

भविष्य की आपदाओं से उबरने के लिए जिस तरह की तैयारी चाहिए, वह पाकिस्तान की विभिन्न एजेंसियों के बस की बात नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़ जनित समस्याओं से निपटने के लिए व्यवस्थित ढंग से पाकिस्तान की क्षमता में वृद्धि किये जाने की जरूरत है। इस सहायता में वित्तीय संसाधन, तकनीकी मदद और मानव क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है। एनडीएमए और पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने समय रहते चेतावनी जारी करने वाली प्रणाली विकसित करने में सफलता पाई है लेकिन सामुदायिक स्तर पर और काम करने की जरूरत है।

एशिया कप 2022: सुपर -फोर के अपने अंतिम मैच में आज अफगानिस्तान से खेलेगी भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)।

दुबई (ईएमएस)। श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के सुपर-फोर में हार की निराशा से उबरकर भारतीय टीम गुरुवार को तीसरे ओर अंतिम मुकाबले में अफगानिस्तान से खेलेगी। खिताबी दौड़ से बाहर हुई भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर इस टूर्नामेंट से विदा लेना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम का इरादा अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करना रहेगा। अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम इस मैच में अपनी रणनीति को भी बेहतर तरीके से लागू करना चाहेगी। भारतीय टीम सुपर चार चरण में अभी तक अपनी पूरी क्षमता के अनुरुप नहीं खेल पाई है। पाक और श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टीम को करीबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इन दोनो ही मुकाबलों में मध्यक्रम उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाया। वहीं गेंदबाजी भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। भुवनेश्वर कुमार दोनो ही मुकाबलों में महंगे साबित हुए। एक प्रकार से कहा जाये तो अंतिम ओवरों में वह अंकुश नहीं लगा पाये जिससे मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गये।

भारतीय टीम की रणनीति में लचीलापन की कमी भी नजर आ रही है। ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ कड़े फैसले ले सकते हैं। पिछले दोनो मैच में टीम चयन पर भी दिग्गजों ने सवाल उठाये हैं। टीम के पास किसी भी रणनीति के लिए दूसरी योजना नजर नहीं आती है। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम में कुछ बदलाव भी नजर आ सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम की बात करें तो उसके पास राशिद खान, मुजीब जादरान, मोहम्मद नबी, हजरतुल्लाह ज़ज़ई और रहमानुल्ला गुरबाज जैसे शानदार खिलाड़ी हैं। ऐसे में भारतीय टीम की राह इस मैच में भी आसान नहीं हैं।

अफगानिस्तान टीम ने दिखाया है कि वह बल्लेबाजी में भी कमजोर नहीं है और 170 रन के लक्ष्य को भी हासिल कर सकती है। टी-20 ऐसा प्रारूप है जिसमें एक खिलाड़ी मैच के हालात बदल सकता है। अफगानिस्तान के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं।

वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव और अन्य विकल्पों को आजमाने का उत्साह नहीं दिखया है। अब यह देखना होगा कि दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत या दीपक हुड्डा की जगह अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं। हुड्डा को श्रीलंका के खिलाफ सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया पर उन्हें गेंदबाजी नहीं दी गयी थी।

श्रीलंका के खिलाफ मैच से यह भी साफ हो गया कि टीम को पांचवें विशेषज्ञ गेंदबाज के रूप में किसी को शामिल करना होगा और इसके लिए वह ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर आधारित नहीं रह सकती है। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की थी पर शीर्ष कम्र विफल रहा था। ऐसे में उम्मीद है कि शीर्ष क्रम में भी बदलाव हो सकते हैं।

गेंदबाजी की बात करें तो अनुभवी भुवनेश्वर कुमार अंतिम ओवरों में बेहद महंगे साबित हुए। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य गेंदबाज को अवसर मिल सकता है। युवा अर्शदीप सिंह ने अब तक प्रभावी गेंदबाजी की है ओर ऐसे में वह बने रहेंगे।

भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंद कर सैफ चैम्पियनशिप में किया शानदार आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गत चैम्पियन भारत ने काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में सैफ (दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ) महिला चैम्पियनशिप में बुधवार को पाकिस्तान को 3-0 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। इस जीत के साथ ही चैंपियनशिप में भारत के अजेय क्रम का सिलसिला 27वें मैच में भी जारी रहा।

प्रतिद्वंद्वी कप्तान मारिया जमील खान के आत्मघाती गोल के बाद डेंगमेई ग्रेस के शानदार गोल से भारत ने मध्यांतर से पहले ही 2-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। आखिरी क्षणों में सौम्या गगुलोथ के गोल से भारत ने जीत के अंतर को 3-0 कर दिया। भारतीय टीम ने मैच में शुरुआत से ही दबदबा बना लिया था लेकिन टीम के गोल का खाता किस्मत के सहारे खुला।

पाकिस्तान की कप्तान मारिया जमील खान ने 15वें मिनट में आत्मघाती गोल कर अपनी टीम पर दबाव और बढ़ा दिया। अंजू ने कई खिलाड़ियों के बीच से गेंद पर नियंत्रण बनाकर डेंगमेई ग्रेस को दी। ग्रेस के आस-पास पाकिस्तान का कोई खिलाड़ी नहीं था और उन्होंने गोलकीपर को छकाते हुए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। मैच के आखिरी क्षणों में रंजना के क्रॉस को सौम्या ने गोल में बदलकर भारतीय टीम के लिए यादगार जीत सुनिश्चित कर दी। भारतीय टीम का अगला मैच 10 सितंबर को मालद्वीव से होगा।

उमरान-चाहर और कार्तिक को अवसर नहीं देने पर भड़के हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम की श्रीलंका के खिलाफ सुपर-फोर में हार के बाद पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज उमरान मलिक , दीपक चाहर और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों को अवसर नहीं देने पर नाराजगी व्यक्त की है। हरभजन ने कार्तिक को लगातार अवसर नहीं दिये जाने के लिए भी टीम प्रबंधर पर सवाल उठाये हैं। कार्तिक को एशिया कप के ग्रुप दौर के दोनों मैचों में अवसर दिया गया था पर सुपर-4 के दोनों मैच में ऋषभ पंत को जगह मिल। ऋषभ दोनो ही मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और पाक के खिलाफ 14 व श्रीलंका के खिलाफ 17 रन ही बना पाये। वहीं चाहर ने एशिया कप से पहले जिम्बाब्वे सीरीज में शानदार गेंदबाजी की थी पर इसके बाद भी उन्हें अवसर ने देते हुए स्टैंडबाय के तौर पर शामिल किया गया था हालांकि आवेश खान के बीमार होने के कारण उन्हें टीम में तो जगह मिल गयी पर वह अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये। वहीं तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने आईपीएल में 15 से अधिक विकेट लिए थे। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते रहे हैं। इसके बाद उन्हें टी20 टीम में जगह भी मिली। उन्हें आयरलैंड के खिलाफ 2 और इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में मौका मिला था पर केवल दो विकेट लेने और अधिक रन देने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं किया गया।

आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में मोहम्मद रिजवान ने लगाई लंबी छलांग

सूर्यकुमार यादव और बाबर को हुआ नुकसान

दुबई (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के बाद पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को आईसीसी बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला है। वहीं, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को इस सूची में नुकसान हुआ है।

बता दें, अभी तक आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम ने पहले स्थान पर जगह बना रखी थी लेकिन एशिया कप में अभी तक वह कुछ खास नहीं कर सके। जिसके कारण उन्हें एक पायदान का नुकसान हुआ है। वहीं, एशिया कप में पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने अभी तक सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होने पहले मैच में भारत के खिलाफ 43 रनों की पारी खेली, उसके बाद हांगकांग और सुपर-4 में भारत के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली।

रिजवान एशिया कप में अभी तक 192 रन बना चुके हैं और अपने प्रदर्शन की बदौलत टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 19 पायदान का फायदा लिया है और अब पहले स्थान पर कब्जा कर लिया है।

सूर्यकुमार यादव एक पायदान का हुआ नुकसान

सूर्यकुमार यादव को भी इस सूची में एक पायदान का नुकसान हुआ है। सूर्या ने एशिया कप में अभी तक हांगकांग के खिलाफ एक अर्धशतकीय पारी खेली है। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ दोनो मैचों में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। आईसीसी रैंकिंग में सूर्या का स्थान दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज एडेन मार्क्रम ने ले ली है।

नेपाल के युवा गेंदबाज पर लगा रेप का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान संदीप लामिछाने पर रेप का आरोप लगा है। काठमांडू पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि संदीप लामिछाने पर 17 साल की नाबालिग लड़की ने रेप का आरोप लगाया है। बता दें, संदीप लामिछाने इंडियन प्रीमियर लीग का भी हिस्सा रह चुके हैं। मौजूद समय में वह वेस्टइंडीज में खेले जा रही कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के लिए रवाना हो चुके हैं। नाबालिग लड़की के मुताबिक 21 अगस्त को संदीप ने काठमांडू के एक होटल में उनके साथ बलात्कार किया। बता दें, शानदार स्पिनर 22 अगस्त को पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए केन्या क लिए रवाना हुए थे। नेपाल ने उस सीरीज को 3-2 से अपने नाम किया।

एशिया कप अब भारत की उम्मीदें अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर

दुबई । टीम इंडिया एशिया कप जीतकर टी20 विश्व कप से पहले अपना मनोबल बढ़ाने के लिए यहां पहुंची थी पर उसे करारा झटका लगा है। एशिया कप से बाहर होने के बाद अब टीम को विश्व कप के लिए अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा। एशिया कप में अब भारतीय टीम की आखिरी उम्मीद अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर करेगी।

भारतीय टीम ने जब अंतिम बार एशिया कप खेला था तो टीम के कप्तान रोहित शर्मा ही थे पर इस बार रोहित के हाथ से गेंद निकल गयी है। अब अगर टीम को फाइनल खेलना है तो उसे उम्मीद करनी होगी कि अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान को हराए, भारत अफगानिस्तान को हराए और श्रीलंका पाकिस्तान को हराए। यह इतना आसान नहीं है। इसके बाद भी भारतीय टीम का फाइनल खेलना रन रेट पर निर्भर करेगा।

एशिया कप 2022 के सुपर 4 के 3 मैचों के बाद भारत तीसरे पायदान पर है। भारत और श्रीलंका ने दो मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने अभी एक-एक मैच खेला है। पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर जीत के साथ ही भारत की बची हुई उम्मीदें भी समाप्त हो जाएंगी।

स्टब्स का नाम दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम में, भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान

बेंगलुरू (एजेंसी)।

ट्रिस्टन स्टब्स को मंगलवार को टी20 विश्व कप और इससे पहले भारत में होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल किया गया। सीमित ओवरों के प्रारूप में टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा जून में भारत में टी20 श्रृंखला के दौरान बाईं कोहनी की चोट से पूरी तरह उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे। सीनियर बल्लेबाज रेसी वान डेर डुसेन बाईं तर्जनी अंगुली में फ्रेक्चर के कारण आस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक होने वाले टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। उन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान यह चोट लगी थी।

उन्हें सर्जरी कराने की जरूरत होगी और इससे उबरने में कम से कम छह सप्ताह लगने की उम्मीद है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन वाले 22 वर्षीय स्टब्स को पहली बार विश्व कप टीम में जगह दी गई है। टीम में शामिल सभी 15खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। स्टब्स ने जून में भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

रिली रोसेयु और वेन पार्नेल को भी टीम में शामिल किया गया है जबकि चयनकर्ताओं ने ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को यानसेन और एंडिले फेहलुकवायो के रूप में तीन रिजर्व खिलाड़ियों को चुना है जो टीम के साथ यात्रा करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक बयान में कहा, ''सभी 18 खिलाड़ी भारत के खिलाफ 28 सितंबर से चार अक्टूबर तक टी20 श्रृंखला में खेलने के लिए उपलब्ध हैं जबकि तीन मैच की 50 ओवर की श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है।''

सीएसए के चयनकर्ताओं के संयोजक विक्टर पिटसैंग ने कहा, ''यह चयन करने के लिए वास्तव में एक कठिन टीम रही है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हमारे पास बहुत सारे खिलाड़ी थे जो काफी अच्छी फॉर्म में थे और चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने वाला प्रदर्शन कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''ट्रिस्टन स्टब्स जैसा खिलाड़ी एक साल पहले तक योजनाओं का हिस्सा नहीं था लेकिन उसने अपने प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह बनाई और उसका चयन हर युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणा होना चाहिए।''

दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर को करेगी। आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका 28 सितंबर से 11 अक्टूबर के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा। टीम इस प्रकार हैं- टी20 विश्व कप और भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय की टीम- तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नोर्किया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबादा , रिली रोसेयु, तबरेज शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स।

भारत के खिलाफ वनडे के लिए टीम: तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, जेनमैन मलान, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नोर्किया, वेन पार्नेल, एंडिले फेहलुकवायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबादा, तबरेज शम्सी।

एमबापे और हालैंड चैंपियन्स लीग में चमके, बेंजेमा चोटिल

पेरिस। कायलन एमबापे और इर्लिंग हालैंड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के शुरुआत में गोल करने की अपनी क्षमता का खुलकर प्रदर्शन किया जबकि पिछले सत्र में शानदार खेल दिखाने वाले करीम बेंजेमा चोटिल होने के कारण पूरे मैच में नहीं खेल पाए। एमबापे और हालैंड ने दो-दो गोल दागे जिससे उनके क्लब क्रमश- पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग में जीत से शुरुआत की। इन दोनों टीम को खिताब का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा है। रियाल मैड्रिड के खिताब के बचाव की संभावना काफी हद तक पूरी तरह से फिट बेंजेमा पर निर्भर है, लेकिन सेल्टिक के खिलाफ 30वें मिनट में फ्रांस के फॉरवर्ड को घुटने की चोट के कारण बाहर होना पड़ा। विनीसियस जूनियर, लुका मोड्रिक और ईडन हैजर्ड के दूसरे हाफ के गोल की मदद से रियाल ने इस मैच में 3-0 से जीत हासिल की। बेंजेमा ने प्रतियोगिता के पिछले सत्र में 12 मैचों में 15 गोल किए थे और रियाल मेड्रिड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। फ्रांसीसी लीग में अभी तक पांच मैचों में सात गोल करने वाले एमबापे के दो गोल की मदद से पीएसजी ने युवेंटस को 2-0 से हराया जबकि मैनचेस्टर सिटी की सेविला पर 4-0 की जीत में हॉलैंड ने दो गोल दागे। इसके अलावा डिनामो ज़ाग्रेब ने चेल्सी को 1-0 से हराया, जबकि सेरी ए चैंपियन एसी मिलान को साल्ज़बर्ग ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका।

जडेजा के घुटने की सर्जरी सफल रही

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के घुटने की सर्जरी सफल रही है। जडेजा के जल्द ही रिहैब शुरू करने की संभावनाएं हैं। जडेजा लीग मुकाबलों के दौरान की दाहिने घुटने की पुरानी चोट उबरने के कारण एशिया कप सुपर फोर मुकाबलों से पहले बाहर हो गये थे। जडेजा ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सर्जरी सफल रही है। साथ ही कहा कि बड़ी तादाद में लोगों का मुझे समर्थन और सहयोग मुझे मिला है। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इसमें बीसीसीआई, मेरे टीम के साथी, सहयोगी स्टाफ, फिजियो, डॉक्टर और प्रशंसक सभी शामिल हैं। साथ ही कहा कि मैं जल्द ही अपना रिहैब शुरू करूंगा और जल्द से जल्द क्रिकेट की ओर वापसी का प्रयास करूंगा। गौरतलब है कि जडेजा अपने करियर में खराब फिटनेस के कारण कई बार बाहर हुए हैं। घुटने की चोट के कारण ही वह जुलाई में वेस्ट इंडीज दौरे पर भी शामिल नहीं हो पाये थे। एशिया कप से उन्होंने अच्छी वापसी की थी पर लीग मुकाबलों में उनकी यह चोट फिर उबर गयी थी।

शाजी ने दिल्ली फुटबॉल संघ से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नये महासचिव बने शाजी प्रभाकरन ने दिल्ली फुटबॉल संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। शाजी ने यह कदम हितों के टकराव का मामला बनने की आशंका को देखते हुए लिए है। शाजी को राष्ट्रीय महासंघ के लिए हुए चुनावों में मिली जीत के बाद एआईएफएफ महासचिव बनाया गया था। उन्होंने आज एआईएफएफ महासचिव के रूप में अपना कार्यभार भी संभाल लिया। उन्होंने कहा, ''मैंने दिल्ली फुटबॉल संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मुझे एआईएफएफ महासचिव नियुक्त किया गया था , इसलिए मैं किसी भी प्रकार से हितों को कोई टकराव नहीं चाहता।''

यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहली बार नहीं होंगे ये चार दिग्गज

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

सेरेना विलियम्स अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में संभवत- अपना आखिरी मैच खेल चुकी हैं। वहीं, राफेल नडाल चौथे दौर में हार गए जबकि नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर जैसे दिग्गज खिलाड़ीयों ने इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। इन चारों खिलाड़ियों ने दो दशक से भी अधिक समय तक टेनिस में दबदबा बनाए रखा था।

बता दें, इन चारों के नाम पर कुल मिलाकर 86 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब दर्ज हैं। इनमें से प्रत्येक ने कम से कम 20 खिताब जरूर जीते हैं। लेकिन अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में इस बार इन चारों में से कोई भी खिलाड़ी नहीं है। तो क्या यह माना जाए कि टेनिस में एक युग का अंत हो गया है। छत्तीस वर्षीय नडाल से चौथे दौर में अमेरिका के 24 वर्षीय फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 4-6, 6-4, 6-3 से हारने के बाद इसको लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने दार्शनिक अंदाज में जवाब दिया।

नडाल ने अपने बयान में कहा, ''कुछ चले जाते हैं, कुछ आते हैं। दुनिया चलती रहती है यही प्रकृति का नियम है।'' स्पेन के इस खिलाड़ी ने कहा कि वह नहीं जानते कि आगे कब खेलेंगे क्योंकि उनकी पत्नी गर्भवती है और वह उनके साथ समय बिताना चाहते हैं। वहीं, सेरेना पहले ही संकेत दे चुकी थी कि यह उनका आखिरी अमेरिकी ओपन होगा और वह अपने परिवार और व्यवसाय पर ध्यान देने के लिए टेनिस को अलविदा कहना चाहती हैं। अमेरिकी ओपन के महिला एवं पुरुष वर्ग में जिन 16 खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई उनमें से 15 खिलाड़ियों ने अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है। इनमें केवल इगा स्वियातेक ही ऐसी खिलाड़ी हैं जो दो बार फ्रेंच ओपन जीत चुकी हैं और विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज हैं। अमेरिकी टेनिस संघ के अनुसार 1968 के बाद यूएस ओपन में यह पहला अवसर है जब मे शुरू हुए पेशेवर युग के बाद पहला अवसर है जब क्वार्टर फाइनल में 15 ऐसे खिलाड़ियों ने प्रवेश किया है, जिन्होंने इससे पहले कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता था।

फेडरर घुटने की चोट के कारण हैं बाहर

फेडरर अब 41 वर्ष के हैं और वह बाएं घुटने के ऑपरेशन के कारण पिछले साल जुलाई में विंबलडन में खेलने के बाद किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए हैं। हालांकि, वह अक्टूबर में स्विट्जरलैंड में एक प्रतियोगिता में खेलने की योजना बना रहे हैं और उनकी योजना 2023 में विंबलडन में खेलने की भी है।

जोकोविच की बात करें तो अभी वह 35 वर्ष के हैं और वह कुछ वर्षों तक ग्रैंडस्लैम खिताब के दावेदार बने रह सकते हैं। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में वह उन्हीं देशों में खेल सकते हैं जहां कोविड-19 का टीकाकरण करवाना अनिवार्य हो। कोविड-19 का टीका नहीं लगाने के कारण जोकोविच को इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया था। वहीं, अमेरिका ने भी उन्हें अपने देश में आने की अनुमति नहीं दी। जोकोविच और नडाल ने इस साल के पहले तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे। उन्होंने पिछले 17 में से 15 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किए थे।

इसके अलावा फेडरर को भी जोड़ा जाए तो इन तीनों ने मिलकर पिछले 22 में से 20 खिताब जीते हैं। यदि इस आंकड़े को और आगे बढ़ाया जाए तो इन तीनों के नाम पर पिछले 76 ग्रैंडस्लैम में से 63 खिताब दर्ज है। इस दौरान इनके अलावा एंडी मर्रे और स्टैन वावरिंका ने ही एक से अधिक ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इन दोनों के नाम पर तीन तीन खिताब दर्ज हैं।

संस्थाओं पर हमला कर रही है बीजेपी और आरएसएस : राहुल

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये संगठन भारत की संस्थाओं पर आक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने कन्याकुमारी के तट पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि देश बड़े आर्थिक संकट से घिरा है और त्रासदी की तरफ बढ़ गया है। आज शाम 'भारत जोड़ो' यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। राहुल गांधी और 118 अन्य 'भारत यात्री' बृहस्पतिवार को विधिवत पैदल मार्च की शुरुआत करेंगे।

इस मौके पर राहुल ने कहा, 'ऐसा क्यों है कि आजादी के इतनो वर्षों बाद भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत को महसूस किया गया। आज करोड़ों लोग महसूस करते है कि भारत को एकजुट करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।' राहुल ने तिरंगे का उल्लेख करते हुए कहा, 'यह तिरंगा कोई उपहार नहीं है, बल्कि भारत की जनता ने हासिल किया है। यह तिरंगा हर भारतीय, हर धर्म के लोगों, हर व्यक्ति की भाषा और हर राज्य का प्रतिनिधित्व करता है।' उन्होंने कहा कि यह ध्वज हर समुदाय, हर वर्ग और हर धर्म का है।

राहुल गांधी ने कहा, 'इस ध्वज के साथ एक-एक भारतीय की पहचान जुड़ी है। यह ध्वज हर व्यक्ति को सुरक्षा, जीवन जीने के अधिकार और आस्था के अधिकार की गारंटी देता है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'आज भाजपा और आरएसएस हर संस्था पर आक्रमण कर रहे हैं। उनका मानना है कि वे अकेले इस देश और प्रदेशों के भविष्य को संभाल सकते है। वे सोचते है कि वो ईडी और सीबीआई से विपक्ष को दबा सकते है।'

राहुल ने कहा कि विपक्ष के नेता डरने वाले नहीं है। उन्होंने भाजपा की सोच को देश के लिए विभाजनकारी करार दिया लेकिन कहा कि यह देश नही बंटेगा और एकजुट रहेगा। उन्होंने दावा किया कि भारत बहुत बड़े आर्थिक संकट से घिरा है और त्रासदी की तरफ बढ़ रहा है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने से पहले श्रीपेरंबदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के स्मारक पर एक प्रार्थना सभा में शामिल हुए। यहीं पर तीन दशक पहले एक आतंकवादी हमले में राजीव गांधी की मृत्यु हो गई थी।

पिता के स्मारक पर आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया जहां तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उन्हें राष्ट्र ध्वज सौंपा।

यात्रा की शुरुआत से पहले राहुल गांधी कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल, तिरुवल्लुवर स्टैच्यू और कामराज मेमोरियल भी जाएंगे। पदयात्रा 11 सितंबर को केरल पहुंचेगी और अगले 18 दिनों तक राज्य से होते हुए 30 सितंबर को कर्नाटक पहुंचेगी। यात्रा कर्नाटक में 21 दिनों तक रहेगी और उसके बाद उत्तर की तरफ अन्य राज्यों में जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू नौ सितम्बर को शुरु करेंगी टीबी मुक्त भारत अभियान

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश से 2025 तक क्षयरोग (टीबी) के उन्मूलन के मिशन को नौ सितंबर से प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के रूप में डिजिटल तरीके से शुरू करेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा कि यह अभियान रोगी केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सामुदायिक सहयोग जुटाने की दिशा में एक कदम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2018 में दिल्ली एंड टीबी समिट' में देश में क्षयरोग का उन्मूलन सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के तहत निर्धारित 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले करने का आह्वान किया था। राष्ट्रपति मुर्मू निक्षय मित्र पहल भी शुरू करेंगी जो इस अभियान का अहम हिस्सा होगी। निक्षय मित्र पोर्टल दानदाताओं को टीबी का उपचार करा रहे लोगों के लिए अनेक तरह की मदद देने का मंच प्रदान करता है।

तीन स्तरीय सहयोग में पोषाहार, अतिरिक्त निदान और वाणिज्यिक समर्थन है। इन दानदाताओं को ही निक्षय मित्र कहा जाएगा। इनमें जन प्रतिनिधि, राजनीतिक दल से लेकर कॉर्पोरेट, एनजीओ और आम लोग तक शामिल हो सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार, अन्य केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों आदि की मौजूदगी में अभियान शुरू किया जाएगा। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान टीबी का उपचार करा रहे लोगों के समर्थन के लिए सभी सामुदायिक हितधारकों को साथ लाने तथा टीबी उन्मूलन की दिशा में देश की प्रगति को बढ़ाने के लिए शुरू किया जा रहा है।

राहुल संभालें पार्टी की कमान, उनके अध्यक्ष बनने से मजबूत होगी कांग्रेस : सीएम गहलोत

जयपुर, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि पार्टी में सबकी भावना है कि राहुल गांधी एक बार फिर से पार्टी की कमान संभालें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस मजबूत होगी और सब मिलकर काम करेंगे तथा देश के सामने जो चुनौतियां हैं उनसे निपटने में भी आसानी होगी।

गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में जाति और धर्म के नाम पर नफरत फैल गई है और इस स्थिति को नहीं संभाला गया तो देश गृहयुद्ध की तरफ जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस की भारत जोड़ो' यात्रा की शुरुआत से पहले संवाददाताओं से यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सद्बुद्धि आए और वे हालात को समझ सकें। गहलोत ने कहा, हम लोग प्रधानमंत्री से आग्रह करते आ रहे हैं कि आप अपील करिये कि प्रेम, भाईचारा और सद्भाव होना चाहिए और हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' उनका यह भी कहना था, बहुत ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ है। जाति और धर्म के नाम पर हिंसा फैल गई है। अगर इस स्थिति को नहीं संभाला गया तो यह गृहयुद्ध की तरफ जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि इस वक्त देश चला रहे' प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह को राहुल गांधी की यात्रा का संदेश समझना चाहिए। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी एक गांधीवादी व्यक्ति हैं और उनके दिल में नफरत और गुस्सा बिल्कुल भी नहीं है।

राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' पर रविशंकर प्रसाद का कटाक्ष, कहा– 'परिवार को बचाने' का अभियान

नई दिल्ली, 07 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को उसका छलावा करार दिया और दावा किया कि यह प्रमुख रूप से 'परिवार को बचाने' का अभियान है ताकि देश की सबसे पुरानी पार्टी पर नियंत्रण बरकरार रहे।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां संवादाताओं को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि यात्रा के जरिए अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को नेता के रूप में स्थापित करने का कांग्रेस का यह एक और प्रयास है।

प्रसाद ने यह कहते हुए राहुल गांधी पर तंज भी कसा कि जो व्यक्ति अपनी पार्टी को नहीं जोड़ सका, जो अक्सर विदेश चला जाता है और जिसे अध्यक्ष बनाए जाने के लिए कांग्रेस में एक दरबारी गायन होता है, वह भारत जोड़ो यात्रा पर निकला है।

उन्होंने कहा कि यह परिवार को बचाने की यात्रा है, ताकि परिवार का पार्टी पर नियंत्रण बना रहे। परिवार का और पार्टी का राजनीतिक आधार खिसकता जा रहा है, क्योंकि उनपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। यह देश जोड़ने की बात तो छलावा है, दिखावा है...वह उन्हें (राहुल गांधी को) नेता के रूप में स्थापित करने का फिर से प्रयास कर रहे हैं। मैं जानना चाहूंगा कि कितनी बार उन्हें नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश होगी।

वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद सहित हाल के दिनों में कांग्रेस छोड़ने वाले कुछ नेताओं का उल्लेख करते हुए प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी तो अपनी पार्टी और नेताओं को ही नहीं जोड़ सके हैं, ऐसे में वह देश क्या जोड़ेंगे?

भाजपा नेता ने पाकिस्तान में आतंकी अड्डों पर हुए बालाकोट एयरस्ट्राइक पर सवाल उठाने, कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन लगाने और सरकार के अन्य कार्यक्रमों की आलोचना किए जाने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने पूर्व में देश को कमजोर करने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की संस्कृति रही है कि सेना की शहादत, सेना के शौर्य और सेना के बलिदान पर कभी सवाल नहीं उठाते। आपने उसका सबूत मांगा। अपने देश की सामरिक सुरक्षा को कमजोर करने और सेना के मनोबल को तोड़ने की कोशिश की और अब जोड़ने की बात करते हैं।

भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने भी यह कहकर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का मजाक उड़ाया कि यह

शताब्दी का कॉमेडी है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि आज हम जिस भारत में रहते हैं वह लचीला, मजबूत और एकजुट है। भारत सिर्फ 1947 में बंटा था जब कांग्रेस ने सहमति प्रदान की थी। वह अगर एकजुट करना चाहते हैं तो राहुल गांधी को पाकिस्तान जाना चाहिए।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

"प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने बेहतर सुरक्षा कवर देकर जोखिम कम किया है, जिसका लाभ करोड़ों किसानों को मिला है। इस योजना ने दावा भुगतान में पारदर्शिता को बढ़ावा देकर किसानों में एक नया विश्वास जगाया है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुरक्षा की सौगात

फसल बीमा पॉलिसी

अब आपके हाथ

योजना एक, लाभ अनेक

- भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में
- पंजीकरण के लिए 12 भाषाओं में एनसीआई पोर्टल एवं क्रॉप इन्शुरन्स ऐप
- पैदावार के बेहतर अनुमान के लिए आधुनिक तकनीक
- किसानों की सुविधा के लिए घर-घर पॉलिसी वितरण

योजना के 7 साल - बन रही एक नई मिसाल

- हर साल 5.5 करोड़ से अधिक किसान योजना से जुड़ रहे हैं

कृषि रक्षक

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

देशभर में किसानों को अब तक 1.22 लाख करोड़ रु. बीमा दावों के रूप में दिए गए, आप भी अपनी रबी फसलों का बीमा ज़रूर कराएं

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - किसान कॉल सेंटर 1800 -180-1551

pmfby PMFasalBimaYojana pmfasalbimayojana

क्यूआर कोड स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com